राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,२२मार्च २०२१ वर्ष-४, अंक -५८ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

परमबीर के 'लेटर बम' से खतरे में आएगी महाराष्ट्र सरकार?

संकट का सामना कर रहे शरद पवार अब क्या करेंगे

मुंबई। मुकेश अंबानी के घर के बाहर मिली संदिग्ध कार और सचिन वाझे मामले ने अब ऐसा राजनितिक मोड़ लिया है कि महाराष्ट्र की सियासी हलचल तेज हो गई है। महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख पर मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह द्वारा लगाए गए सनसनीखेज आरोपों से महाराष्ट्र सरकार के सामने मुश्किल की घड़ी खड़ी हो गई है। अनिल देशमुख पर लगे आरोपों ने सबसे अधिक एनसीपी प्रमुख शरद पवार को मुश्किल स्थिति में ला खड़ा किया है। राज्य में महाराष्ट्र विकास अघाड़ी का शरद पवार को प्रमुख आर्टिकेक्ट माना जाता है। शरद पवार ही थे, जिन्होंने तीन अलग-अलग पार्टियों (शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी) को एक बैनर तले लाने में बड़ी भूमिका निभाई। वह शरद पवार ही थे, जिन्होंने महाराष्ट्र से भारतीय जनता पार्टी को सत्ता की कुर्सी से अलग रखने के लिए तीनों पार्टियों को एक किया और अब तक सहज तरीके से सरकार चला रहे थे। पिछले 15 महीनों से शरद पवार न सिर्फ सरकार के कामकाज पर नजर रख रहे हैं, बल्कि जब-जब कोई पेच फंसा तो उनकी दखल देखी गई। वह उद्धव ठाकरे को सलाह भी देते रहे और संकट का हल निकालते रहे। यहां तक कि एंटीलिया केस में भी शरद पवार ने उद्धव ठाकरे से पिछले सप्ताह बैठक की थी, जिसके बाद परमबीर सिंह को मुंबई पुलिस आयुक्त के पद से हटा दिया गया। यह महाराष्ट्र विकास अघाड़ी का ही संयुक्त फैसला था कि हेमंत नागराले को नया पुलिस चीफ बनाया जाए ताकि मुंबई पुलिस में गंदगी को साफ किया जाए। हालांकि, उस वक्त तक सचिन वाझे को लेकर शिवसेना आलोचकों के निशाने पर थी, मगर परमबीर सिंह के लेटर बम के बाद अब चीजें बदल गई हैं और अब एनसीपी निशाने पर है। शरद पवार की पार्टी एनसीपी अब विश्वसनीयता के संकट का सामना कर रही है और अब ऐसा लग रहा है कि पवार को देशमुख को हटाने को लेकर फैसला लेना ही होगा। एनसीपी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, शरद पवार देशमुख को गृह विभाग से बाहर स्थानांतरित करने की योजना बना रहे थे। संवाददाता ने बताया था कि कैसे शरद पवार गृह विभाग में देशमुख के उत्तराधिकारी के रूप में अलग-अलग विकल्पों पर विचार कर रहे थे। पार्टी नेताओं के अनुसार, उन्होंने कुछ समय बाद देशमुख को गृह विभाग से बाहर करने की योजना बनाई ताकि कोई यह आरोप न लगाए कि सचिन वाझे मामले को लेकर यह फैसला लिया गया है। हालांकि, अब परिस्थितियां बदल गई हैं। शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस में लेटर बम के बाद टकराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इस बार शरद पवार की पार्टी कटघरे में है। ऐसे में भाजपा पूरी तरह से महाराष्ट्र सरकार पर हमलावर रहेगी। माना जा रहा है कि बदले हुए हालात में शरद पवार जल्द ही कुछ बड़ा फैसला लेंगे और देशमुख को तुरंत इस्तीफा देने के लिए कह सकते हैं। हालांकि, राज्य एनसीपी प्रमुख जयंत पाटिल ने देशमुख को हटाने की विपक्ष की मांग को खारिज कर दिया है। मगर हालात ऐसे हैं कि सरकार पर कोई संकट न आए, इसके लिए शिवसेना और कांग्रेस दबाव बना सकती है। यहां यह भी ध्यान देने वाली बात है कि जब 2019 में महाराष्ट्र विकास अघाड़ी सरकार बनी तब से अनिल देशमुख गृह मंत्री के पद के लिए शरद पवार की पहली पसंद नहीं थे।

महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख पर मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह द्वारा लगाए गए सनसनीखेज आरोपों से महाराष्ट्र सरकार के सामने मुश्किल की घड़ी खड़ी हो गई है। अनिल देशमुख पर लगे आरोपों ने सबसे अधिक एनसीपी प्रमुख शरद पवार को मुश्किल स्थिति में ला खड़ा किया है। राज्य में महाराष्ट्र विकास अघाड़ी का शरद पवार को प्रमुख आर्टिकेक्ट माना जाता है। शरद पवार ही थे, जिन्होंने तीन अलग-अलग पार्टियों (शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी) को एक बैनर तले लाने में बड़ी भूमिका निभाई।

इस एक मामले में चीन से बस एक पायदान नीचे है भारत, बराबरी के लिए लगाना होगा पूरा जोर

नई दिल्ली। भारत ने बीते कुछ वर्षों में वैकल्पिक ऊर्जा के माध्यमों को बढ़ाने में काफी पहल की है। यही वजह है कि आज प्रशांत एशिया क्षेत्र में भारत पवन ऊर्जा या विंड एनर्जी के मामले में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। ग्लोबल विंड एनर्जी काउंसिल द्वारा जारी की गई ताजा रिपोर्ट में ये जानकारी निकलकर सामने आई है। जीडब्ल्यूईसी की ये रिपोर्ट इस बात का भी सुबूत है कि भारत तेजी के साथ क्लाइमेट चेंज के मामले पर काम कर रहा है। आपको बता दें कि क्लाइमेट चेंज के तय लक्ष्यों पर काम करने के मामले में भारत पहले ही नंबर वन पर है। यूएन की एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा पहले ही किया जा चुका है कि इस मुद्दे और पेरिस समझौते के तय लक्ष्यों को पूरा करने की तरफ भारत तेजी से बढ़ रहा है और अन्य देश इससे कहीं पीछे हैं। ग्लोबल विंड एनर्जी काउंसिल (जीडब्ल्यूईसी) की रिपोर्ट की ही बात करें तो वर्ष 2020 में प्रशांत एशिया क्षेत्र में कुल 55564 मेगावाट न्यू विंड पावर केपेबिलिटी स्थापित की गई, जिसमें भारत ने 1119 मेगावाट की क्षमता स्थापित की। इसके अलावा आस्ट्रेलिया ने 1097 मेगावाट, जापान ने 449 मेगावाट, कजाकिस्तान ने 300 मेगावाट, श्रीलंका ने 88 मेगावाट क्षमता स्थापित की है। हालांकि रिपोर्ट की मानें तो चीन इस मामले में काफी आगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस पूरे क्षेत्र में चीन ने अकेले ही 52 हजार मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता स्थापित की है। इस लिहाज से चीन का इस पूरे क्षेत्र में इस मामले में दबदबा बना हुआ है। हालांकि भारत ने जिस रफ्तार के साथ इस पर काम करना शुरू किया है और संभावना तलाश रहा है, उस हिसाब से ये कहना गलत नहीं होगा कि भारत कुछ समय बाद चीन की बराबरी इस मामले में कर सकता है। जीडब्ल्यूईसी की रिपोर्ट ये भी बताती है कि चीन ने वर्ष 2020 में वर्ष 2019 की अपेक्षा दोगुनी क्षमता इसमें हासिल की है। इतिहास पर यदि नजर डालेंगे तो इतनी तेजी से इस क्षेत्र में कहीं भी काम नहीं हुआ है।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर रेलवे का बड़ा एलान, अपराध पर ऐसे लगेगी लगाम!

नई दिल्ली। रेलवे ने प्लेटफार्म, यार्ड और आसपास के सूने पड़े ढांचों को ढहाने का निर्देश दिया है। महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर लगाम की दिशा में रेलवे के नए दिशानिर्देशों के तहत यह कदम उठाया जाएगा। आरपीएफ के डीजी अरुण कुमार ने अधिकारियों को इस संदर्भ में आदेश जारी किया है। आदेश में प्लेटफा?र्म्स और यार्ड के खाली पड़े ढांचों, खाली क्वार्टर, प्लेटफार्म्स से दूर ऐसे भवनों को तत्काल ध्वस्त करने को कहा गया है, जहां कोई सुरक्षा और आवाजाही नहीं होती। जब तक इन्हें ध्वस्त नहीं किया जाए, तब तक नियमित तौर पर ड्यूटी स्टाफ उन जगहों की निगरानी करता रहेगा। विशेषरूप से रात में या ऐसे समय जरूर निगरानी हो जब लोगों का आना-जाना बहुत कम रहता है। इसके साथ ही रेलवे परिसर में महिलाओं के विरुद्ध अपराध में शामिल लोगों का डाटाबेस भी तैयार किया जाएगा। आदेश में कहा गया कि सभी पोस्ट कमांडर पिछले पांच साल में दुष्कर्म समेत महिलाओं के विरुद्ध हुए अपराधों का ब्योरा लें और आंकड़ों की समीक्षा करें। रेलकर्मियों के पास ऐसे अपराधों से जुड़े दोषियों की तस्वीर होनी चाहिए। डीजी ने कहा कि डाटा के विश्लेषण के आधार पर तत्काल और लंबी अवधि की योजना तैयार की जाए। तत्काल वाली योजनाओं पर बिना देरी कदम बढ़ाया जाए।

महिलाओं के विरुद्ध अपराध रोकने के लिए अधिकारियों को निर्देश-लंबी अवधि की योजनाओं में बेसिक इन्फ्रा सुधार, सीसीटीवी लगाना और सुरक्षा के अन्य पहलुओं को बेहतर करने जैसे कदम शामिल रहेंगे। अधिकारियों से महिला कोच पर नजर रखने और ट्रेन आने-जाने के समय सुरक्षाकर्मी तैनात रखने जैसे कदम भी उठाने को कहा गया है। इसमें यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि रेलवे प्लेटफार्म पर उपलब्ध वाईफाई का इस्तेमाल पोर्न डाउनलोड करने में न हो।

कोरोना के बढ़ते कहर को देख भारत ने की जंग तेज, सरकार ने दिया 12 करोड़ और वैक्सीन का ऑर्डर

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए, केंद्र सरकार ने कोरोना वैक्सीन के 12 करोड़ खुराक का आदेश दिया है। सरकार ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियाऔर भारत बायोटेक को खुराक का आदेश दिया है। बता दें कि सरकार का ये फैसला ऐसे समय में आया है जब देश में कोरोना वायरस एक बार फिर पैर पसार रहा है। अधिकारियों और विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह वायरस की एक नई लहर हो सकती है जिसे देश के कई हिस्सों में देखा जा रहा है। 10.2 करोड़ खुराकों में से, 1 करोड़ खुराक कोविशिल्ड के होंगे जो SII द्वारा निर्मित किए जाएंगे। बाकी भारत बायोटेक द्वारा कोवाक्सिन के होंगे। बता दें कि भारत में अब तक लोगों के बीच इस्तेमाल के लिए केवल इन दो टीकों को ही अनुमति दी गई है। भारत में कोरोना का कहर बढ़ गया है, मार्च की शुरुआत में एक दिन में औसतन 15,494 मामलों को जोड़ने के बाद से, देश ने पिछले सप्ताह औसतन

32,000 मामलों को दर्ज किया। विशेषज्ञों और दिल्ली, महाराष्ट्र और केरल के नेताओं ने केंद्र सरकार से या तो अधिक लोगों को खुराक देने की अनुमति देने की अपील की है। शनिवार तक भारत में दोनों टीकों की 4.36 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी हैं। बता दें कि देश में 1 मार्च से आम लोगों को भी टीका लगना शुरू हो चुका है, इसके अंदर 60 साल ऊपर के सभी लोग और 45 साल से ऊपर के वे लोग हैं जिन्हें गंभीर बिमारिया हैं। 28 मार्च तक जिन लोगों की शुरुआती खुराक पड़ चुकी है, उन्हें अपना दूसरा शॉट लेने की आवश्यकता होगी। भारत का लक्ष्य जुलाई के अंत तक 30 करोड़ लोगों को टीका लगाना है जिसमें- स्वास्थ्य कार्यकर्ता, फ्रंटलाइन वर्कर्स और उनकी उम्र या कोमोरिड स्थितियों के कारण सबसे अधिक जोखिम वाले लोग शामिल हैं। लेकिन अब विशेषज्ञों का मानना ??है कि मामलों की इस नई लहर का सामना करने के लिए जितना संभव हो सके अब लोगों को खुराक लेने की अनुमति दी जानी चाहिए। महाराष्ट्र में शनिवार को 27,000 से अधिक मामले सामने आए। ये एक दिन में आने वाले सबसे अधिक मामले हैं। दिल्ली में, स्वास्थ्य बुलेटिन में कहा गया कि यहां 813 नए मामले दर्ज किए गए हैं, 24 दिसंबर के बाद से आने वाले ये सबसे अधिक मामले हैं। सकारात्मक परीक्षण के नमूनों का अनुपात भी 27 दिसंबर के बाद से उच्चतम है,

कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण कई राज्यों में स्कूल व कॉलेज बंद, बोर्ड परीक्षाएं भी स्थगित

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बीते 24 घंटे में लगभग 44 हजार मामले सामने आ गए हैं। वहीं लगभग 200 लोगों की मौत हो गई। बढ़ते मामलों के कारण राज्यों ने पाबंदियां लगाना शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पंजाब और गुजरात समेत कई राज्यों में लॉकडाउन और नाइट कर्फ्यू लगा दिया गया है। इसके मद्देनजर कई राज्यों में स्कूल कॉलेज भी बंद हो गए हैं। बोर्ड परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं।

कोरोना से सबसे ज्यादा महाराष्ट्र प्रभावित हुआ है। राज्य के पालघर जिले के सभी सरकारी स्कूल, कॉलेज, हॉस्टल और निजी स्कूल अगले आदेश तक बंद कर दिए गए हैं। नंदौर में एक आवासीय विद्यालय में छात्रों और एक शिक्षक सहित 30 लोग संक्रमित पाए गए थे। इसके बाद ही यह फैसला लिया गया। छात्रावास को सील कर दिया गया है। वहीं बृहन्मुंबई नगर निगम ने शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की उपस्थिती को 50 फीसद तक सीमित रखने का आदेश दिया है। इसके अलावा स्कूलों को ऑनलाइन एजुकेशन के इस्तेमाल की सलाह दी है। पुणे में 31 मार्च तक स्कूल और कॉलेज बंद रखने का निर्देश जारी किया गया है। लातूर जिले में भी इसी तरह का आदेश जारी किया गया है। कोरोना की दूसरी लहर को रोकने के लिए पंजाब सरकार ने सबसे ज्यादा प्रभावित 11 जिलों में कुछ और सख्त कदम उठाए हैं। इन 11 जिलों में 31 मार्च तक मेडिकल कालेजों को छोड़ कर सभी शिक्षण संस्थान बंद करने के आदेश दिए गए हैं। परीक्षाएं भी स्थगित हो गई हैं। ये जिलें लुधियाना, जालंधर, पटियाला, मोहाली, अमृतसर, होशियारपुर, कपूरथला, नवांशहर, फतेहगढ़ साहिब, रोपड़ और मोगा हैं।

बिहार में जमीन खरीदारों को राहत, इन शर्तों के साथ अब रजिस्ट्री के साथ ही होगा दाखिल खारिज

पटना। बिहार में अब जमीन खरीदारों को म्यूटेशन (दाखिल खारिज) के पचड़े से मुक्ति मिल जाएगी। रजिस्ट्री के साथ ही खुद ब खुद म्यूटेशन की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। इसके लिए अब जमीन मालिक को ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी। जमीन की रजिस्ट्री हुई नहीं कि पूरा रिकार्ड स्वत- अंचलाधिकारी के पास चला जाएगा। लेकिन, अभी यह सुविधा उन्हीं खरीदारों को मिलेगी जो जमाबंदीदार से खरीदेंगे। किसी दूसरे यानि किसी ऐसे वारिस से जमीन खरीदेंगे जिनके नाम म्यूटेशन नहीं है तो पुरानी व्यवस्था से ही आवेदन करना होगा। नई व्यवस्था के लिए अंचल कार्यालय को निबंधन कार्यालय से जोड़ दिया गया है। दोनों विभागो ने पूरी तैयारी कर ली है। सॉफ्टवेयर भी तैयार हो गया है। 31 मार्च

को विभाग के मंत्री रामसूरत कुमार इसकी शुरुआत करेंगे। नई व्यवस्था का लाभ लेने के लिए जमीन की रजिस्ट्री के समय ही एक प्रपत्र भरकर निबंधन कार्यालय में जमा करना होगा। साथ ही स्वत- म्यूटेशन की सहमति भी देनी होगी। प्रपत्र में जमीन का पूरा ब्योरा के साथ जिनके नाम जमाबंदी कायम है उसका भी पूरा विवरण देना होगा। म्यूटेशन के साथ ही रजिस्टर टू से भी पुराने जमीन मालिक का नाम हट जाएगा और नये खरीदार का नाम जुड़ जाएगा। लेकिन अगर किसी भूखंड का छोटा भाग बिकता है तो बेची गई संपत्ति के भाग से नया नाम जुड़ेगा। शेष भूमि पुराने मालिक के नाम ही रहेगा। पूरी व्यवस्था के लिए एक एप तैयार किया गया है। एप के माध्यम से निबंधित कागजात का पीडीएफ अंचल कार्यालय तक पहुंच जाएगा। वर्तमान में भी सरकार ने म्यूटेशन की ऑनलाइन व्यवस्था की है। लेकिन इसके लिए जमीन मालिक को ऑनलाइन आवेदन करना होता है। साथ ही डीड की छायाप्रति भी जमा करनी होती है। लेकिन अब इन सबसे मुक्ति मिल जाएगी। इस संबंध में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव विवेक सिंह ने बताया कि किसी भी संपत्ति के खरीदार को पहले दो प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था। पहले निबंधन कराने की प्रक्रिया फिर म्यूटेशन की। लेकिन अब सिर्फ निबंधन की ही प्रक्रिया करनी होगी, शेष काम अधिकारी खुद करेंगे।

राज्य में म्यूटेशन का आंकड़ा

3.5 हजार रोज म्यूटेशन का आवेदन आता है

1.15 करोड़ होल्डिंग की हर साल कटती है रसीद

93.60 लाख हेक्टेयर है राज्य का रकबा

भारत की वैक्सीन डिप्लोमेसी को लगेगा झटका?

कई देशों को समय पर टीका नहीं दे पाएगा SII

नई दिल्ली। कोरोना से जंग में दुनियाभर के कई देशों को टीका उपलब्ध करवाकर भारत ने जिस वैक्सीन डिप्लोमेसी से वाहवाही लूटी थी, अब उसे ही बड़ा झटका लग सकता है। दरअसल, सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया यानी स्ढ्ढढ्ढ ने तीन देशों को चिट्ठी लिखकर वैक्सीन आपूर्ति करने में असमर्थता जताई है। वह भी तब जब ये तीनों देश वैक्सीन खरीदने के लिए भुगतान भी कर चुके हैं।

खबर के मुताबिक, SII के चीफ अदार पूनावाला ने ब्राजील, मोरक्को और सऊदी अरब को चिट्ठी लिखकर यह बताया है कि वैक्सीन भेजने में अनिश्चितकालीन देरी हो सकती है।

किसने कितनी वैक्सीन खरीदी?

कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में दूसरे नंबर पर मौजूद ब्राजील ने वैक्सीन की 2 करोड़ खुराकों का ऑर्डर दिया था। इसमें से 40 लाख खुराकें ही अभी तक ब्राजील को भेजी गई हैं। इसके अलावा मोरक्को ने बीते साल अगस्त में ही 2 करोड़ वैक्सीन खरीदने का समझौता किया था लेकिन अभी तक उसे भी 70 लाख वैक्सीन ही मिली हैं। वहीं, सऊदी अरब ने भी 2 करोड़ वैक्सीन का ऑर्डर दिया था जिसमें से उसे 30 लाख वैक्सीन की आपूर्ति की जा चुकी है।

सप्लाई में देरी की वजह क्या?

SII के अदार पूनावाला ने चिट्ठी में लिखा है कि हाल ही में उनकी एक इमारत में आग लगे की वजह से वैक्सीन उत्पादन में दिक्कतें आ रही हैं। इस वजह से आने वाले महीनों में आपूर्ति किए जाने की गारंटी नहीं दी जा सकती है। हालांकि, जनवरी महीने में जब SII की इमारत में आग लगी थी तब खुद अदार पूनावाला ने कहा था कि आग से कोरोना वैक्सीन के उत्पादन पर कोई असर नहीं पड़ेगा क्योंकि यह एक निर्माणाधीन इमारत में लगी थी। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, आग का कोविशील्ड वैक्सीन के उत्पादन पर कोई असर नहीं पड़ेगा और न ही मौजूदा स्टॉक को कोई नुकसान हुआ है। ऐसे में जिन देशों ने वैक्सीन खरीदने के लिए पहले ही पैसे चुका दिए हैं, उन्हें समय से वैक्सीन न मिलने से भारत की छवि को नुकसान हो सकता है। डिप्लोमैटिक सूत्रों का भी कहना है कि यह एक राजनीतिक समस्या का रूप ले सकती है। ब्राजील में हर दिन कोरोना से औसतन 3 हजार लोगों की जान जा रही है। ब्राजील ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए चीन से भी कोरोना वैक्सीन की 40 लाख खुराकें ली हैं। ब्राजील का अपना टीका भी मई के आसपास बनना शुरू हो जाएगा। मोरक्को ने अपने देश के लोगों को SII का कोविशील्ड टीका देने का फैसला किया था लेकिन अब खाली हाथ रह जाने से उसे अपना टीकाकरण अभियान रोकना पड़ेगा। वहीं, भारत का अहम रणनीतिक सहयोगी सऊदी अरब को भी 30 लाख खुराकें ही मिल सकी हैं और अगली खेप की आपूर्ति के बारे में कोई जानकारी तक नहीं है। बता दें कि सऊदी में करीब 20 लाख भारतीय रहते हैं।

हालांकि, यह भी स्पष्ट है कि भारत को खुद एक बड़ी आबादी का टीकाकरण करना है। फरवरी नें पूनावाला ने ट्वीट किया था कि SII को भारत सरकार ने देश की मांग को प्रमुखता देने के लिए कहा है, इसलिए दूसरों को इंतजार करना पड़ेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

संपत्ति क्षति वसूली

निस्संदेह, लोकतंत्र में अपनी आवाज सत्ताधीशों तक पहुंचाने में आंदोलनों की निर्णायक भूमिका होती है। जब सत्ताधीश जनसरोकारों के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते तो क्षुब्ध नागरिक विरोध प्रदर्शन के विभिन्न माध्यमों से सरकारों व प्रशासन पर दबाव बनाते हैं। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान चलाये गये निर्णायक आंदोलनों ने ही फिरंगियों को देश छोड़ने को बाध्य किया था। लेकिन यदि आंदोलन के नाम पर निजी व सरकारी संपत्ति को सुनियोजित तरीके से क्षति पहुंचायी जाती है तो इन्हें लोकतांत्रिक आंदोलन नहीं कहा जा सकता। नागरिकों व सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले आंदोलनों के नेतृत्व की जवाबदेही तय करनी जरूरी भी है। अन्यथा आये दिन होने वाले आंदोलनों से समाज व सरकार की संपत्ति को नुकसान का सिलसिला बदस्तूर जारी रहेगा। हाल के वर्षों में हरियाणा में एक धार्मिक गुरु के समर्थकों तथा जातीय अस्मिता के एक आंदोलन ने करोड़ों रुपये की निजी व सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया था। शायद इसी के मद्देनजर हरियाणा सरकार ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में संपत्ति क्षति वसूली विधेयक-2021 पारित कर दिया, जिसमें उपद्रवियों से भारी-भरकम जुर्माने व जेल की सजा का प्रावधान है। हालांकि, इस विधेयक को पारित करने में विपक्षी कांग्रेस के तीखे विरोध का सामना सरकार को करना पड़ा। विपक्ष की दलील है कि सरकार ये कानून किसान आंदोलन के चलते ला रही है। निस्संदेह राज्यपाल की मंजूरी के बाद यह कानून अस्तित्व में आ ही जायेगा। उल्लेखनीय है कि सीएए विरोधी आंदोलन के दौरान हुए उपद्रव में सरकारी व निजी संपत्ति को हुई भारी क्षति को देखते हुए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने सख्त रवैया दिखाया था। बाकायदा उपद्रवियों के पोस्टर सार्वजनिक स्थलों पर लगाये गये थे। इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार संपत्ति क्षति की वसूली का कानून लेकर आई थी, जिसके अध्ययन के बाद खट्टर सरकार यह विधेयक लाई, जो उत्तर प्रदेश के कानून के मुकाबले ज्यादा सख्त होगा। यही वजह है कि विपक्षी दल इस विधेयक को लोकतांत्रिक आंदोलन के विरोध में उठाया गया कदम बताकर विरोध कर रहे हैं। दरअसल, हरियाणा के संपत्ति क्षति वसूली विधेयक-2021 में कुछ सख्त प्रावधान शामिल किये गये हैं। अब आंदोलन करने वाले नेता यह दलील नहीं दे सकेंगे कि उनका आंदोलन तो शांतिपूर्ण था और बाहरी तत्वों ने हिंसा करके संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। नये विधेयक में इस बात का भी प्रावधान है कि आंदोलन के दौरान हुई हिंसा करने वालों को ही नहीं, आंदोलनकारियों का नेतृत्व करने वालों से भी नुकसान की भरपाई की जायेगी। इस बाबत सरकार एक ट्रिब्यूनल का भी गठन करेगी, जिसमें चीफ जस्टिस के परामर्श से किसी सेवानिवृत्त वरिष्ठ जज को ट्रिब्यूनल का चेयरमैन बनाया जायेगा। निस्संदेह इस कदम से मुआवजे के निर्धारण को न्यायसंगत व पारदर्शी बनाया जा सकेगा। ट्रिब्यूनल द्वारा संपत्ति को हुए नुकसान के बाबत मुआवजे के लिये आवेदन मांगे जाने पर 21 दिन के भीतर आवेदन करना होगा। ट्रिब्यूनल दस करोड़ तक के मुआवजे का निर्धारण कर सकेगा। इतना ही नहीं, जुर्माना न देने पर ब्याज समेत जुर्माना वसूला जायेगा तथा इसके लिये खाते सील होंगे और संपत्ति कुर्क की जा सकेगी। इतना ही नहीं, यदि आंदोलन के दौरान कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षा बलों को बुलाया जाता है तो उसका खर्च भी आंदोलनकारियों से वसूला जायेगा।

आज के ट्वीट

रंग

पल पल रंग बदल रही है दुनिया, और लोग पूछ रहे है होली कब है...

अर्णव गोस्वामी

जल संरक्षण की चुनौतियां

विश्व जल दिवस विशेष: - डा. रमेश ठाकुर

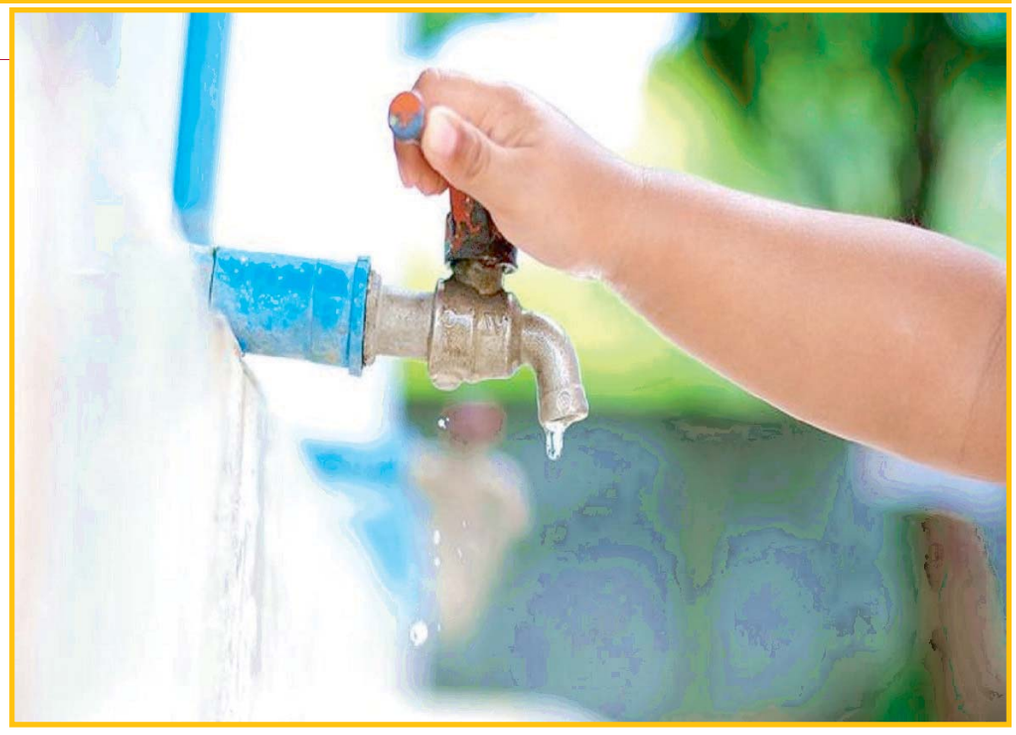

बेपानी होता समाज अगला विश्वयुद्ध पानी के लिए होने का संकेत देने लगा है। गाजियाबाद में 20 मार्च को दूषित पानी पीने से एक साथ सौ बच्चे बीमार पड़ गए। ऐसी घटनाओं को हम लगातार इग्नोर करते जा रहे हैं। जिन जगहों पर पानी की कभी बहुतायता होती थी, जैसे तराई के क्षेत्र, वहां की जमीन भी धीरे-धीरे बंजर हो रही है। नमीयुक्त तराई क्षेत्र में कभी एकाध फिट के निचले भाग में पानी दिखता था, वहां का जलस्तर कइयों फिट नीचे खिसक गया है। राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में पानी का जलस्तर तो पाताल में समा ही गया है। किसी को कोई परवाह नहीं, सरकारें आ रही हैं और चली जा रही हैं। कागजों में योजनाएं बनती हैं और विश्व जल दिवस जैसे विशेष दिनों पर पानी सहेजने को लंबे-चौड़े भाषण होते हैं और अगले ही दिन सबकुछ भुला दिए जाते हैं। इस प्रवृत्ति से बाहर निकलना होगा और गंभीरता से पानी को बचाने के लिए मंथन करना होगा। वरना, वह कहावत कभी भी चरितार्थ हो सकती है- रहिमन पानी राखिए, पानी बिन सब सून, पानी गये ना उबरे, मोती मानस सून।बात ज्यादा पुरानी नहीं है। कोई एकाध दशक पहले तक छोटे-छोटे गांवों में नदी-नाले, नहर, पौखर और तालाब अनायास ही दिखाई पड़ते थे, अब नदारद हैं। गांव वाले उन जगहों को पाटकर किसान खेती किसानी करने लगे हैं। एक जमाना था जब बारिश हो जाने पर गांववासी उन स्थानों का जलमग्न का दृश्य देखा करते थे। गांव के गांव एकत्र हो जाया करते थे। पर, अब ऐसे दृश्य दूर-दूर तक नहीं दिखते। जल संरक्षण के सभी देशी जुगाड़ कहे जाने वाले ताल-तलैया, कुएं, पोखर सबके सब गायब हैं। कुछके बचे हैं तो वह पानी के लिए तरसते हैं, सूखे पड़े हैं। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि बीते दस सालों में देशभर में करीब दस पंद्रह हजार नदियां गायब हो गई हैं। करीब इतने ही छोटे-बड़े नालों का पानी सूख गया है, जो अब सिर्फ बारिश के दिनों में ही गुलजार होते हैं। नदी-तालाबों के सूखने से बेजुबान जानवरों और पक्षियों को भारी नुकसान हुआ है। कहा जाता है ग्रामीण क्षेत्रों में अब दुलर्भ पक्षी दिखाई नहीं पड़ते, लेकिन उनके न रहने के मूल कारणों की नब्ज कोई नहीं पकड़ता। ऐसे पक्षी बिना पानी के चलते बेमौत मरे हैं। कालांतर से लेकर प्राचीनकाल तक दिखाई देने वाले पक्षी बिना पानी के ही मौत के मुंह में समाए हैं। ऐसी प्रजातियों के खत्म होने का दूसरा कोई कारण नहीं है, पानी का खत्म होना है। ध्यान भटकाने के लिए भले ही कोई कुछ भी दलीलें दें। पक्षियों की भांति अब इंसान भी साफ पानी नहीं मिलने से मरने लगे हैं। विश्व में कई सारे देश ऐसे हैं, जहां पीने का स्वच्छ जल न होने के कारण लोग जीवन त्याग रहे हैं। स्वच्छ जल संरक्षण और इस समस्या का समाधान खोजने के लिए ही विश्व जल दिवस पर हम सबको प्रण लेना होगा। ये तय है कि पानी संरक्षण का काम सिर्फ सरकारों पर छोड़ देने से समस्या का समाधान नहीं होगा? सामाजिक स्तर पर भी चेतना हम सबको मिलकर जगानी होगी। इस मुहिम में सरकार से ज्यादा आमजन अपनी भूमिका निभा सकेंगे। जल भंडारण की स्थिति पर निगरानी रखने वाले केंद्रीय जल आयोग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि मानसून के मौसम में भी देश के तकरीबन जलाशय सूखे गए। इससे साफ है कि वर्षाजल को एकत्र करने की बातें भी कागजी हैं। बर्षा का पानी भी अगर हम बचा लें, तो संभावित खतरों से बचे रहेंगे। लेकिन बात वही आकर रुक जाती है कि बिल्ली के गले में घंटी बांधे कौन? याद आता है, वर्षा जल संरक्षण के लिए पूर्ववर्ती सरकारों ने अभियान भी चलाया था, जो बाद में बेअसर साबित हुआ। यूं कहें कि जल संचयन और जलाशयों को भरने के तरीकों को आजमाने की परवाह उस दौरान ईमादारी से किसी से नहीं की। समूचे भारत में 76 विशालकाय और प्रमुख जलाशय हैं जिनकी बदहाली चिंतित करती है। इन जल भंडारण की स्थिति पर निगरानी रखने वाले केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट रोंगटे खड़ी करती है। रिपोर्ट के मुताबिक एकाध जलाशयों को छोड़कर बाकी सभी मण्याम् स्थिति में हैं। उत्तर प्रदेश के माताटीला बांध व रिहन्द, मध्य प्रदेश के गांधी सागर व तवा, झारखंड के तेनूघाट, मेथन, पंचेतहित व कोनार, महाराष्ट्र के कोयना, ईसापुर, येलदरी व ऊपरी तापी, राजस्थान का राण प्रताप सागर, कर्नाटक का वाणी विलास सागर, उड़ीसा का रेंगाली, तमिलनाडु का शोलायार, त्रिपुरा का गुमटी और पश्चिम बंगाल के मयुराक्षी व कंग्साबती जलाशय सूखने के एकदम कगार पर हैं। गौरतलब है, पूर्ववर्ती सरकारों ने इन जलाशयों से बिजली बनाने की भी योजना बनाई थी, जो कागजों में ही सिमट कर रह गईं। योजना के तहत थोड़ा बहुत काम आगे बढ़ा भी था जिनमें चार जलाशय ऐसे हैं जो पानी की कमी के कारण लक्ष्य से भी कम विद्युत उत्पादन कर पाए। सोचने वाली बात है जब पर्याप्त मात्रा में पानी ही नहीं होगा, बिजली कहां से उत्पन्न होगी। तब जलाशयों को बनाने के शायद दो मकसद थे। अव्वल, वर्षा जल को एकत्र करना, दूसरा, जलसंकट की समस्याओं से मुकाबला करना। इनका निर्माण सिंचाई, विद्युत और पेयजल की सुविधा के लिए हजारों एकड़ वन और सैंकड़ों बस्तियों को उजाड़कर किया गया था, मगर वह सभी सरकार की लापरवाही के चलते बेपानी हो गए हैं। केंद्रीय जल आयोग ने इन तालाबों में जल उपलब्धता के जो ताजा आंकड़े दिए हैं, उनसे साफ जाहिर होता है कि आने वाले समय में पानी और बिजली की भयावह स्थिति होगी। इन आंकड़ों से यह साबित होता है कि जल आपूर्ति विशालकाय जलाशयों (बांध) की बजाए जल प्रबंधन के लघु और पारंपरिक उपायों से ही संभव है, न कि जंगल और बस्तियां उजाड़कर। बड़े बांधों के अस्तित्व में आने से एक ओर तो जल के अक्षय स्रोत को एक छोर से दूसरे छोर तक प्रवाहित रखने वाली नदियों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। पानी की जितनी कमी होती जाएगी, बिजली का उत्पादन भी कम होता जाएगा। इसलिए पानी को बचाने के लिए जनजागरण और बड़े स्तर पर प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है। नहीं तो गाजियाबाद जैसी खबरें आम हो जाएंगी, जहां गंदा पानी पीने से बच्चे बीमार पड़ गए। पानी के लिए अगला विश्वयुद्ध न हो, इसके लिए हमें सचेत होना होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

मिल-जुल कर रहें

श्रीराम शर्मा आचार्य/ यह उदाहरण कोई अपवाद नहीं। 'एल्गी' जाति के 'प्रोटोंकोकस' पोधे और फंगस जाति के एक्टीनो माइसिटीज' पौधे भी आपस में मिलकर एक दूसरे को बहुत सुन्दर ढंग से पोषण की वस्तुएं प्रदान करते है। हमें शिक्षा ज्ञान देता है पर हम अपनी अनपढ़ धर्मपत्नी या अशिक्षित पड़ौसी के लिए एक घण्टा भी नहीं निकाल सकते, हमारे माता-पिता हम जब बच्चे थे, तब आधे पेट गीले वस्त्रों में सोकर हमारी परवरिश करते थे, पर आज जब वे वृद्ध हो गए, तब हम उनकी क्या उतनी सेवा कर पाते हैं? दुकानदार, रेल वाला, बस वाला, सारा संसार यों कहिये अपनी सेवाएं हमें देने को तत्पर है, तब यदि हम दूसरों को धोखा देने की बात सोचें कृतघ्नता दिखायें तो ऐसे व्यक्ति से नीच और घृणित कौन होगा? पौधों का क्या अस्तित्व, पर वे मनुष्य जाति से अच्छे हैं। ऊपर के दोनों पौधे मिलकर एक चपटे आकार का ढांचा बना लेते हैं, उसे 'जूलॉजी' में 'लाइकन' कहते हैं। इसमें से होकर एल्गी की जड़ें फंगस के पास पहुंचती है और फंगस की एल्गी के पास। एल्गी के पास जिस तत्व की कमी होती है, उसे फंगस पूरा कर देता है और फंगस की कमी को एल्गी-दोनों के आदान-प्रदान में यह थैला भी विकसित होता रहता है। औरों के कल्याण में अपना कल्याण, सबकी भलाई में अपनी भलाई अनुभव करने वाले समाज इसी तरह विकास और वृद्धि करते हैं और अपने साथ उन छोटे-छोटे दीन-हीन व्यक्तियों को भी पार कर ले जाते हैं, जो सहयोग के अभाव में दबे पड़े पिसते रहते हैं। स्कॉरपियन नामक एक मछली अपने शरीर के ऊपर छोटे-छोटे हाइड्रा जाति के जीवों को फलने-फूलने देती है, वे छोटे-छोटे जन्तु हजारों की संख्या में एक सिरे से दूसरे सिरे तक पूरी सतह में फैले रहते हैं। देखने में यह हरे रंग के होते हैं। मछली के शरीर के ऊपर इनका पूरी तरह पोषण होता रहता है। जब एक अविकसित मछली दूसरे दीन-दुर्बलों की सहायता में इतना योगदान दे सकती है, तो हम समाज के दलिल माने-जाने वगरे हरिजनों, आदिवासियों, दहेज के अभाव में पीड़ित बहनों, दवा के अभाव में पिसते रोगियों के लिए कल्याण की योजनाएं क्यों नहीं बना सकते। जीव-जीव, पेड़-पौधों तक में जब एक दूसरे के प्रति सेवा और सहयोग का भाव पनप रहा हो, तब मनुष्य जाति उससे पीछे हटे, यह उसका दुर्भाग्य ही कहना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

जखनी की जलक्रांति ने देश को दिखाई राह

विश्व जल दिवस विशेष :- मुकुंद

उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश का 'बुंदेलखंड' हर साल गर्मी में सूखे और अकाल से त्राहिमाम-त्राहिमाम करता रहा है। अब हालात बदल रहे हैं। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड के बांदा जिले के जखनी गांव के लोगों के तीस साल के सामुदायिक प्रयास से सूखा खत्म हो गया है। गांव के कुएं, तालाब लबालब रहते हैं। खेत हर वक्त लहलहाते रहते हैं। यह सब सर्वोदय कार्यकर्ता उमाशंकर पाण्डेय की वजह से संभव हो पाया है। जलयोद्धा पाण्डेय के प्रयासों से गांववालों ने पुरखों की परंपरा 'खेत पर मेड़-मेड़ पर पेड़' को धरातल पर उतारकर जखनी के संकट के साथ आसपास के गांवों का जल संकट दूर किया है। हाल ही में बांदा जिले के ओरन गांव से देश की पहली मेड़बंदी यज्ञ यात्रा शुरू हुई है। इस यज्ञ में हिस्सा लेने उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री प्रो. डॉ महेंद्र सिंह पहुंचे। दरअसल यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कोशिशों का नतीजा है कि ऐसे आयोजनों में मंत्री और अफसर बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री जखनी के मूलमंत्र 'खेत पर मेड़-मेड़ पर पेड़' को जल आंदोलन में बदल चुके हैं। अब मेड़बंदी विधि सूखा प्रभावित देश के प्रत्येक राज्य के लाखों गांवों तक पहुंच गई है। केंद्र सरकार जखनी को देश का पहला जलग्राम और उमाशंकर पाण्डेय को पहला जलयोद्धा घोषित कर चुकी है। केंद्र ने देश के 1100 गांवों में जखनी मॉडल लागू किया है। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह का कहना है कि जो वर्षा जल को रोकेगा, भारत माता के कोख में पानी भरेगा, उसे सिद्धि- प्रसिद्धि -समृद्धि मिलेगी। जल में ही अमृत है। जल में ही ऊर्जा है। जल में ही सारे देवता वास करते हैं। जल ही जीवन है। पाण्डेय का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने व्यक्तिगत तौर पर वर्षाजल को संचित करने के मेड़बंदी के प्रयोग को लागू करने के पक्षधर हैं। प्रधानमंत्री देश के प्रधानों को मेड़बंदी के लिए पत्र लिख चुके हैं। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी जखनी के प्रयोग की भगीरथ प्रयास बताया है। बांदा के भाजपा सांसद आरके सिंह पटेल का कहना है कि भूजल रोकने का सबसे सशक्त माध्यम मेड़बंदी है। यह सुखद है कि देश-दुनिया के शोधार्थियों के लिए आज जखनी जलतीर्थ बन चुका है। जखनी के मेड़बंदी यज्ञ अभियान के संस्थापक जलयोद्धा उमाशंकर पाण्डेय का कहना है कि यह मेड़बंदी यज्ञ रथयात्रा छह माह में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के 13 जिलों के सूखा प्रभावित 111 गांव की यात्रा करेगी। वह खुद 1 अप्रैल से मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड की यात्रा करेंगे। विश्व जल दिवस की पूर्व संध्या पर पाण्डेय ने कहा कि यह चिंताजनक है कि दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा करीब 15.5 करोड़ बच्चे पानी की भारी किल्लत का सामना करने को मजबूर हैं। दुखद यह है कि इनमें 9.14 करोड़ बच्चे भारत में रहते हैं। विडंबना यह है कि दुनिया भर में 320 करोड़ लोग पानी की कमी वाली जगहों पर रहते हैं। यह ऐसे स्थान हैं जहां अधिकतर खेती की जाती है। जलयोद्धा पाण्डेय का कहना है कि अगर खेतों पर मेड़ और मेड़ पर पेड़ लगाए जाएंगे तो निश्चिततौर पर यह परिदृश्य बदल सकता है। वह कहते हैं कि यह अलग बात है कि इसमें समय लगेगा पर इतना पक्का है कि अधिकतम 10 साल में जल संकट दूर हो सकता है। पाण्डेय का कहना है कि यह वही बुंदेलखंड है जहां आचार्य विनोबा भावे ने भूदान यज्ञ का का आगाज किया है। यह सुखद है कि उसी बुंदेलखंड में मेड़बंदी यज्ञ शुरू हुआ है।

कालखंड बेशक बदला है पर दोनों का लक्ष्य एक ही है। जल शक्ति सचिव यूपी सिंह और नीति आयोग के जल सलाहकार अविनाश मिश्रा इस प्रयोग को समझने के लिए जखनी का दौरा कर चुके हैं।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चालू वित्त वर्ष के पहले 11 माह में सोने का आयात 3.3% घटकर 26.11 अरब डॉलर पर

बिजनेस डेस्क: सोने का आयात चालू वित्त वर्ष 2020-21 के पहले 11 महीनों (अप्रैल-फरवरी) में 3.3 प्रतिशत घटकर 26.11 अरब डॉलर रह गया। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। उल्लेखनीय है कि सोने का आयात देश के चालू खाते के घाटे (कैड) को प्रभावित करता है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में पीली धातु का आयात 27 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के अनुसार सोने के आयात में कमी से देश के व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिली है। चालू वित्त वर्ष के पहले 11 माह में व्यापार घाटा कम होकर 84.62 अरब डॉलर रह गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 151.37 अरब डॉलर रहा था। भारत दुनिया का सबसे बड़ा सोने का आयातक देश है। मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए सोने का आयात किया जाता है। मात्रा के हिसाब से भारत सालाना 800 से 900 टन सोने का आयात करता है। आभूषण निर्यात को प्रोत्साहन के लिए सरकार ने बजट में इस पर आयात शुल्क घटाकर 7.5 प्रतिशत कर दिया है। हालांकि, साथ ही इस पर 2.5 प्रतिशत का कृषि संरचना और विकास उपकर लगाया गया है। चालू वित्त वर्ष के पहले 11 माह में रत्न एवं आभूषणों का निर्यात 33.86 प्रतिशत घटकर 22.40 अरब डॉलर रह गया। फरवरी में हालांकि सोने का आयात बढ़कर 5.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले साल समान महीने में 2.36 अरब डॉलर था। अप्रैल-फरवरी के दौरान चांदी का आयात भी 70.3 प्रतिशत घटकर 78.07 करोड़ डॉलर पर आ गया।

विजनेट को 2021 में 50 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद, 1,500 लोगों की नियुक्ति करेगी

नयी दिल्ली, बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) कंपनी विजनेट को 2021 और 2022 में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी का कहना है कि मुख्य रूप से बैंकिंग, वित्त और बीमा खंडों से डिजिटलीकरण की मांग बढ़ने से वह अच्छी वृद्धि दर्ज करेगी। इसके अलावा कंपनी की योजना इस साल 1,500 लोगों की नियुक्ति करने की भी है। विजनेट इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं कंट्री प्रमुख आलोक बंसल ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''2020 में हमने करीब 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी। 2021 में हम 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। इसके अलावा कंपनी को 2022 में भी 50 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि की उम्मीद है।'' बंसल ने कहा, ''कंपनी खुद के विस्तार के जरिये यह वृद्धि कर रही है। हमने अपनी सेवाओं का विस्तार किया है।'' उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में बैंकों और वित्तीय सेवा संस्थानों ने अपनी डिजिटल यात्रा को तेजी से आगे बढ़ाया है।

जनवरी में एयरटेल के एक्टिव यूजर्स बढ़े, जियो को हुआ भारी नुकसान

बिजनेस डेस्क:

दूरसंचार कंपनी भारतीय एयरटेल के सक्रिय ग्राहकों की संख्या में जनवरी में 69 लाख की बढ़ोतरी हुई है। इस तरह एयरटेल ने बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत किया है। इसी के साथ जनवरी में एयरटेल के एक्टिव यूजर्स की संख्या 33.6 करोड़ हो गई है। वहीं इस दौरान रिलायंस जियो के सक्रिय कनेक्शनों की संख्या 34 लाख घट गई है। इसी के साथ रिलायंस जियो के एक्टिव यूजर्स की संख्या जनवरी महीने में घटकर 32.5 करोड़ रह गई है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने यह जानकारी दी है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने ट्राई द्वारा जारी जनवरी के उपभोक्ताओं के आंकड़ों के हवाले से कहा है कि इस तरह भारती एयरटेल के सक्रिय ग्राहकों की संख्या 33.6 करोड़ पर पहुंच गई है। यूबीएस की रिपोर्ट के अनुसार भारती और जियो के वीएलआर (सक्रिय) ग्राहकों की संख्या हाल के महीनों में लगभग बराबर थी लेकिन जनवरी में भारती के वीएलआर कनेक्शनों की संख्या 69 लाख बढ़कर 33.6 करोड़ पर पहुंच गई। वहीं जियो के कनेक्शनों की संख्या 34 लाख घटकर 32.5 करोड़ रह गई। ट्राई के आंकड़ों के अनुसार जून में भी जियो के एक्टिव यूजर्स की संख्या गिरी थी, जो तीन साल का न्यूनतम स्तर तक पहुंच गई थी। जेएम फाइनेंशियल के नोट में कहा गया है कि इससे पहले दिसंबर में जियो के सक्रिय कनेक्शनों की संख्या 32 लाख बढ़ी थी। नवंबर में कंपनी के ग्राहकों की संख्या में 54 लाख का इजाफा हुआ था। सक्रिय ग्राहकों की गणना विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) के जरिए की जाती है। यह किसी मोबाइल नेटवर्क पर सक्रिय ग्राहकों के बारे में बताने की प्रणाली है।

स्वास्थ्य बीमा दावों के निपटान में पारदर्शिता बरतें बीमा कंपनियां: इरडा

नयी दिल्ली, भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा कंपनियों से स्वास्थ्य बीमा दावों के निपटान की प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता बरतने को कहा है। इसके अलावा नियामक ने बीमा कंपनियों से कहा है कि यदि वे किसी दावे को खारिज करती हैं, तो पॉलिसीधारक को इसकी स्पष्ट वजह बताएं। इरडा ने सर्कुलर मे कहा कि सभी बीमा कंपनियों के लिए ऐसी प्रक्रियाएं स्थापित करना अनिवार्य है, जिनके जरिये पॉलिसीधारक को दावा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों के बारे में सूचनाएं पारदर्शी तरीके से मिल सकें। नियामक ने कहा, ''सभी बीमा कंपनियों को ऐसी प्रणालियां स्थापित करनी होंगी जिससे पॉलिसीधारक को नकदी रहित इलाज/बीमा कंपनी/टीपीए के पास वेबसाइट/पोर्टल/ऐप या किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक तरीके से दायर दावों की स्थिति के बारे में जानकारी मिल सके।'' इरडा ने कहा कि इसमें आवेदन के समय से लेकर दावों के निपटान के समय की पूरी जानकारी होनी चाहिए। 'स्वास्थ्य बीमा दावा निपटान' सर्कुलर जीवन बीमा, साधारण बीमा और एकल स्वास्थ्य बीमा कंपनियों (तीसरे पक्ष प्रशासक-टीपीए) को जारी किया गया है।

शेयरों में एफपीआई का प्रवाह 36 अरब डॉलर पर, 2012-13 के बाद सबसे अधिक: रिपोर्ट

मुंबई,

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयरों में निवेश चालू वित्त वर्ष में 10 मार्च तक 36 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार यह वित्त वर्ष 2012-13 से शेयरों में एफपीआई का सबसे ऊंचा निवेश है। वहीं दूसरी ओर शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) जनवरी के अंत तक बढ़कर 44 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। एक साल पहले यह 36.3 अरब डॉलर पर था। नवंबर और दिसंबर में जबर्दस्त प्रवाह से एफडीआई बढ़ा है। दिसंबर में एफडीआई रिकॉर्ड 6.3 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचा था। रिजर्व बैंक के मार्च के बुलेटिन के अनुसार शेयरों में निवेश घटने की वजह से जनवरी में एफडीआई प्रवाह नीचे आया है। बुलेटिन में कहा गया है, ''एफपीआई ने चालू वित्त वर्ष में इक्विटी खंड में शुद्ध लिवाली की है। वहीं इस अवधि के दौरान ऋण या बांड बाजार में वे शुद्ध बिकवाल रहे है। कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष में 10 मार्च तक एफपीआई ने शेयरों में शुद्ध रूप से 36 अरब डॉलर डाले हैं।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि इस अवधि में एफपीआई के निवेश की गुणवत्ता सुधरी है। फरवरी के अंत तक श्रेणी-एक के विदेशी निवेशकों मसलन केंद्रीय बैंक, सॉवरेन संपदा कोष, पेंशन कोष, नियमन वाली इकाइयां, बहुपक्षीय संगठनों का कुल इक्विटी परिसंपत्तियों में हिस्सा बढ़कर 95 प्रतिशत के उच्चस्तर पर पहुंच गया। दिसंबर, 2019 के अंत तक यह 87 प्रतिशत पर था।

कम दाम में बिक रहा आलू, किसानों की बढ़ी मुश्किलें

बिजनेस डेस्क:

रबी की अच्छी फसल की वजह से उत्पादक और उपभोक्ता दोनों क्षेत्रों में आलू के दाम 50 प्रतिशत घटकर 5-6 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गए हैं। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। हालांकि, इस वजह से उपभोक्ताओं को रसोई की यह महत्वपूर्ण सब्जी काफी कम दाम पर उपलब्ध है लेकिन आलू के किसानों के लिए उत्पादन की लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है।

कई राज्यों कम हुआ आलू के दाम

खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पंजाब, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और बिहार के 60 प्रमुख आलू उत्पादक क्षेत्रों में से 25 में इसके थोक दाम 20 मार्च को एक साल पहले की तुलना में 50 प्रतिशत नीचे आ चुके हैं। उत्तर प्रदेश के संभल और गुजरात के दीशा में आलू का दाम तीन साल के औसत दाम से नीचे यानी 6 रुपए प्रति किलो चल रहा है। एक साल पहले इसी अवधि में उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में आलू के दाम 8-9 रुपए प्रति किलोग्राम के निचले स्तर पर थे। वहीं अन्य राज्यों में इसके दाम 10 रुपए प्रति किलोग्राम तथा थोक मंडियों में 23 रुपए प्रति किलोग्राम पर चल रहे थे। इसी तरह उपभोक्ता क्षेत्रों में 20 मार्च को आलू का थोक भाव एक साल पहले की तुलना में 50 प्रतिशत कम था। दिल्ली सहित 16 में से 12 उपभोक्ता क्षेत्रों में आलू का दाम 50 प्रतिशत नीचे चल रहा था। उदाहरण के लिए 20 मार्च को पंजाब के अमृतसर और दिल्ली में आलू का दाम 5 रुपए प्रति किलोग्राम के निचले स्तर पर था। इसका अधिकतम दाम चेन्नई में 17 रुपए प्रति किलोग्राम पर था। कुछ यही रुख खुदरा बाजारों में भी दिख रहा था।

इस साल सबसे कम दाम 10 रुपए प्रति किलोग्राम

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 20 मार्च को आलू का मॉडल खुदरा दाम 10 रुपए प्रति किलोग्राम के निचले स्तर पर था। एक साल पहले यह 20 रुपए प्रति किलोग्राम था। उदाहरण के लिए 20 मार्च को दिल्ली में आलू का खुदरा भाव 15 रुपए प्रति किलोग्राम था, जो एक साल पहले 30 रुपए प्रति किलोग्राम था। उपभोक्ता मामलों की सचिव लीना नंदन ने कहा, ''हम उपभोक्ता पक्ष की ओर से कीमतों की निगरानी करते हैं। इस साल आलू की फसल काफी अच्छी हुई है। मंडियों में आवक अच्छी है और खुदरा मूल्य उपभोक्ताओं के लिहाज से अच्छा है।'' किसानों को अच्छी कीमत नहीं मिलने के बारे में सचिव ने कहा कि इस मुद्दे को कृषि मंत्रालय देख रहा है। संभवतः मंत्रालय इस बारे में किसी प्रस्ताव पर विचार कर रहा है।

दूसरी तिमाही में भारतीय परिवारों पर बढ़ा कर्ज का बोझ, बचत में आई गिरावट: आरबीआई

मुंबई:

कोरोना वायरस महामारी के एक साल के दौरान भारतीय परिवारों पर कर्ज का बोझ बढ़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में परिवारों पर कर्ज बढ़कर जीडीपी (GDP) के 37.1 फीसदी पर पहुंच गया है। वहीं, इस दौरान परिवारों की बचत घटकर 10.4 फीसदी के निचले स्तर पर आ गई है। महामारी की वजह से लाखों लोग बेरोजगार हुए हैं, जबकि बड़ी संख्या में लोगों का वेतन घटा है। इस वजह से लोगों को अधिक कर्ज लेना पड़ा है या फिर अपनी बचत से खर्चों को पूरा करना पड़ा है। आंकड़ों के मुताबिक, दूसरी तिमाही में कुल ऋण बाजार में परिवारों की हिस्सेदारी सालाना आधार पर 1.30 फीसदी बढ़कर 51.5 फीसदी पर पहुंच गई। रिजर्व बैंक के मार्च बुलेटिन के अनुसार महामारी की शुरुआत में लोगों का झुकाव बचत की ओर था। इस वजह से 2020-21 की पहली तिमाही में परिवारों की बचत जीडीपी के 21 फीसदी पर पहुंच गई थी, लेकिन दूसरी तिमाही में यह घटकर 10.4 फीसदी रह गई। हालांकि, यह 2019-20 की दूसरी तिमाही के 9.8 फीसदी से ज्यादा है।

दूसरी तिमाही में GDP में 7.5% की गिरावट

रिजर्व बैंक के अर्थशास्त्रियों का कहना है कि सामान्य रूप से जब अर्थव्यवस्था ठहरती है या उसमें गिरावट आती है, तो परिवारों की बचत बढ़ती है। वहीं जब अर्थव्यवस्था सुधरती है, तो बचत घटती है, क्योंकि लोगों का खर्च करने को लेकर भरोसा बढ़ता है। इस मामले में पहली तिमाही में परिवारों की बचत जीडीपी के 21 फीसदी पर पहुंच गई। उस समय जीडीपी में 23.9 फीसदी की गिरावट आई थी। उसके बाद दूसरी तिमाही में जीडीपी की गिरावट कम होकर 7.5 फीसदी रह गई। वहीं लोगों की बचत घटकर 10.4 फीसदी पर आ गई। रिजर्व बैंक ने कहा कि कुछ इसी तरह का रुख 2008-09 में वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान भी देखने को मिला था। उस समय परिवारों बचत जीडीपी के 1.70 फीसदी बढ़ी थी। बाद में अर्थव्यवस्था में सुधार के साथ बचत भी घटने लगी। बुलेटिन में कहा गया है कि परिवारों का ऋण से जीडीपी अनुपात 2018-19 की पहली तिमाही से लगातार बढ़ रहा है।

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में परिवारों का कर्ज जीडीपी के 37.1 फीसदी पर पहुंच गया, जो पहली तिमाही में 35.4 फीसदी था। कुल ऋण बाजार में परिवारों का कर्ज का हिस्सा भी दूसरी तिमाही में 1.3 फीसदी बढ़कर 51.5 फीसदी पर पहुंच गया।

रिलायंस ने सीबीएम ब्लॉक से 75 प्रतिशत गैस सहायक इकाई को छह डॉलर प्रति इकाई के मूल्य पर बेची

नयी दिल्ली, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने मध्य प्रदेश में अपने कोल बेड मीथेन (सीबीएम) ब्लॉक की तीन-चौथाई यानी 75 प्रतिशत गैस अपनी सहायक इकाई को छह डॉलर प्रति घनमीटर के मौजूदा बाजार मूल्य पर बेची है। रिलायंस इंडस्ट्रीज और ब्रिटेन की बीपी के 50-50 हिस्सेदारी के संयुक्त उद्यम इंडिया गैस सॉल्यूशंस प्राइवेट लि. ने पिछले सप्ताह नीलामी में 6.2 लाख मानक घनमीटर प्रतिदिन गैस की खरीद की। नीलामी के दौरान कुल 8.2 एमएमएससीएमडी गैस के लिए बोली लगाई गई। इस मामले की जानकारी रखने वाले तीन लोगों ने यह सूचना दी। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल इंडिया लि. ने नीलामी के दौरान 1.7 लाख घनमीटर प्रतिदिन और रिलायंस गैस पाइपलाइन ने 30,000 घनमीटर प्रतिदिन गैस खरीदी। रिलायंस गैस पाइपलाइन मध्य प्रदेश में सीबीएम ब्लॉकों से गैस का परिवहन उपभोक्ताओं तक करती है। इस गैस के लिए बोली ब्रेंट कच्चे तेल के मौजूदा दाम के 9.2 प्रतिशत पर लगाई गई। यह करीब छह डॉलर प्रति इकाई बैठता है। इस बारे में रिलायंस को भेजे ई-मेल का जवाब नहीं मिला।

डीआरआईएल 2022 तक दो रोपवे परियोजनाओं पर 50 करोड़ रुपये निवेश करेगी

नयी दिल्ली, दामोदर रोपवेज एण्ड इंफ्रा लिमिटेड (डीआरआईएल) अगले साल के अंत तक देश में दो रोपवे परियोजनाओं पर 50 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना पर काम कर रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कंपनी की असम, जम्मू, सिक्किम, मध्य प्रदेश, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश सहित अन्य राज्यों में रोपवे परियोजनायें हैं। डीआरआईएल के प्रबंध निदेशक आदित्य चमाड़िया ने पीटीआई- भाषा से कहा, ''हम बनाओ, अपनाओ, चलाओ और हस्तांतरित (बीओओटी) योजना के तहत 2022 के अंत तक दो परियोजनाओं में 50 करोड़ रुपये के करीब निवेश कर रहे हैं।'' ये परियोजनायें राजस्थान के उदयपुर और ओडिशा के खोरधा में लगाई जायेंगी। उन्होंने बताया कहा कि कंपनी बिहार सरकार के लिये अनुबंध आधार पर बिहार के जेहानादाबाद जिले में वानाबार पहाड़ी पर एक रोपवे परियोजना पर काम कर रही है। यह परियोजना इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) आधार पर बनाई जा रही है।

स्कोडा ने कई नये उत्पादों को उतारने की योजना बनाई, भारत में दूसरी पारी की शुरुआत

नयी दिल्ली,

चेक गणराज्य की कार कंपनी स्कोडा भारत में अपनी दूसरी पारी की तैयारियों में जोर-शोर से लग गई है। कंपनी ने अपने बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने और अपनी कारों में स्थानीय उत्पादों का उपयोग बढ़ाने की दिशा में कदम उठाया है। कंपनी भारत जैसे यात्री कारों के अति प्रतिस्पर्धा वाले बाजार में अपनी जगह बनाना चाहती है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह कहा है। कंपनी जून, 2018 से ही फॉक्सवैगन समूह की ओर से भारत में दूसरी पारी की परियोजना पर काम कर रही है। वह भारत में अपनी कारों के ब्रांड को लेकर जागरूकता बढ़ाने, कार रखने की लागत में कमी लाने और वित्तीय रूप से मजबूत डीलरशिप को अपने साथ जोड़ना चाहती है। कंपनी का इरादा है कि उसका ऐसा डीलर नेटवर्क हो जो कि उसके ग्राहकों की संतुष्टि के लिये काम करे। स्कोडा के वर्तमान में भारत में केवल दो कार मॉडल ही बाजार में उपलब्ध हैं। अब कंपनी ने चार नये उत्पादों को बाजार में उतारने का फैसला किया है। इसमें से एक मॉडल एसयूवी कुशाक को हाल ही में उसने उतारा है जबकि बाकी को अगले एक साल के दौरान बाजार में उतारा जायेगा। कंपनी का इरादा इस साल के अंत तक अपने डीलरों की संख्या को भी बढ़ाकर 150 तक पहुंचाने का है। स्कोडा आटो फॉक्सवैगन इंडिया के प्रबंध निदेशक गुरुप्रताप बोपाराय ने पीटीआई- भाषा के साथ बातचीत में कहा कि समूह के मौजूदा प्रयास के तहत मध्यम अवधि में भारतीय यात्री कारों के बाजार में कंपनी के उत्पादों का बाजार हिस्सा पांच प्रतिशत तक पहुंचाने की योजना है। उन्होंने कहा कि फॉक्सवैगन समूह भारतीय उपमहाद्वीप में अपनी उपस्थिति को मजबूत बनाने के लिये एक अरब यूरो का निवेश कर रहा है। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक जैक होलिस ने कहा कि कंपनी घरेलू बाजार में अपने स्थिति का विसतार करना चाहती है। फिलहाल इस बाजार में उसके केवल दो उत्पाद --रैपिड और सुपर्ब-- ही उपलब्ध हैं। अब कंपनी अगले एक साल के दौरान चार नये उत्पादों को भारतीय बाजार में उतारेगी।

पीसीए से बाहर निकलने के बाद आईडीबीआई बैंक का ध्यान दक्षता सुधारने पर: प्रबंध निदेशक

मुंबई,

रिजर्व बैंक के नियामकीय प्रतिबंधों से बाहर निकलने के बाद निजी क्षेत्र के आईडीबीआई बैंक का ध्यान अब पूरी सूझबूझ और दक्षता के साथ अपना कारोबार बढ़ाने पर है। बैंक दक्षता में सुधार लाने के साथ ही मुनाफा बढ़ाने पर भी ध्यान दे रहा है। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राकेश शर्मा ने यह कहा है। एलआईसी के नियंत्रण वाले आईडीबीआई बैंक को 10 मार्च को रिजर्व बैंक ने अपनी त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) के दायरे में से बाहर किया था। बैंक की पूंजी पर्याप्तता, संपत्ति गुणवत्ता और मुनाफे की स्थिति सहित कुछ अन्य मानकों का उल्लंघन होने की स्थिति में बैंक पर इसे मई, 2017 में लगाया गया था।

शर्मा ने पीटीआई- भाषा के साथ एक बातचीत में कहा, ''रिजर्व बैंक द्वारा लगाये गये प्रतिबंधों के उठ जाने के बाद हम सोच समझकर आगे बढ़ेंगे और अधिक मुनाफा कमाने के साथ अपने व्यवसाय को बढ़ायेंगे ताकि हमारे दक्षता अनुपात में भी सुधार हो। हमारे राजस्व, मुनाफे और अन्य अनुपातों में निश्चित तौर पर सुधार दिखाई देगा।'' उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में हम अपने शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) को बढ़ाकर तीन प्रतिशत पर पहुंचाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। इसी प्रकार संपत्ति पर अर्जित आय को 0.60 से 0.70 से ऊपर और लागत के मुकाबले आय के अनुपात को 50 प्रतिशत से नीचे ले जाने पर गौर कर रहे हैं। चालू वित्त वर्ष के दौरान दिसंबर, 2020 में समाप्त नौ माह में बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन 2.79 प्रतिशत पर था जबकि आय के समक्ष लागत 54 प्रतिशत पर थी। उन्होंने कहा, ''बैंक का बुरा दौर अब बीत चुका है और बैंक काफी मजबूत है। बैंक के जमाकर्ता अब बैंक की मजबूती को देखेंगे।'' शर्मा ने कहा कि पिछले चार साल के दौरान जब बैंक रिजर्व बैंक के प्रतिबंधों के दायरे में था, बैंक का ध्यान प्राथमिक क्षेत्र के कर्ज और खुदरा कारोबार पर था। वर्तमान में बैंक के कर्ज में खुदरा रिण का हिस्सा 60 प्रतिशत और कॉरपोरेट रिण का हिस्सा 40 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष में बैंक मध्यम और बड़े कंपनी रिण में 8 से 10 प्रतिशत तक वृद्धि की उम्मीद कर रहा है, वहीं प्राथमिक क्षेत्र और खुदरा रिण के क्षेत्र में 12 प्रतिशत तक वृद्धि की उम्मीद लेकर चल रहा है।

पेटेंट उल्लंघन मामले में Apple दोषी करार, कंपनी पर लगा 2235 करोड़ रुपए का जुर्माना

बिजनेस डेस्क:

दुनिया की सबसे बड़ी स्मार्टफोन निर्माता कंपनी एप्पल को पेटेंट उल्लंघन मामले में दोषी करार दिया गया है। टेक्सास की फेडरल जूरी ने एप्पल को पेटेंट उल्लंघन का दोषी ठहराते हुए उसे पर्सनलाइज्ड मीडिया कम्युनिकेशंस (PMC) को 30.85 करोड़ डॉलर यानी करीब 2235 करोड़ रुपए चुकाने का आदेश दिया है।

क्या है आरोप

आपको बता दें कि अमेरिकी फेडरल जूरी ने यह फैसला डिजिटल राइट्स मैनेजमेंट के पेटेंट उल्लंघन मामले में सुनाया गया है। पीएमसी ने आरोप लगाया था कि एप्पल ने FairPlay समेत उसके तकनीकी पेटेंट का उल्लंघन किया है। आपको बता दें कि FairPlay का इस्तेमाल एप्पल iTunes, App Store और एप्पल म्यूजिक एप्लीकेशंस से एन्क्रिप्टेड कंटेंट के डिस्ट्रिब्यूशन के लिए करती है।

एप्पल फैसले के खिलाफ करेगी अपील

आपको बता दें कि यह याचिका 6 साल पहले 2015 में दायर की गई थी लेकिन एप्पल ने पेटेंट ट्रॉयल एंड अपील बोर्ड में पेटेंट की वैधता को चुनौती दी थी लेकिन अब जूरी ने एप्पल को आदेश दिया कि वह PMC को रॉयल्टी चुकाए जो आमतौर पर ब्रिकी या यूजेज के ऊपर निर्भर है।

एप्पल ने इस फैसले पर निराशा जताते हुए कहा कि वह इसके खिलाफ अपील करेगी। कंपनी ने कहा कि इससे उपभोक्ताओं को घाटा होगा। कंपनी ने कहा कि PMC जैसी कंपनियां न तो कोई प्रॉडक्ट बनाती हैं और न उनकी बिक्री करती हैं, बल्कि ये कंपनियां इस तरह के मामलों में सिर्फ इनोवेशन को खत्म करती हैं।

गूगल जीत चुका है एक पेटेंट ट्रायल

पर्सनलाइज्ड मीडिया कई पेटेंट उल्लंघन को लेकर गूगल और उसकी यूट्यूब सर्विस के खिलाफ भी याचिका दायर कर चुकी है। इसके अलावा नेटफ्लिक्स के खिलाफ भी याचिका दायर है। पिछले साल नवंबर 2020 में गूगल और उसकी यूट्यूब सर्विस को पेटेंट ट्रायल में जीत हासिल हुआ। हालांकि वीडियो स्ट्रीमिंग कंपनी नेटफ्लिक्स के खिलाफ चल रह मामला न्यूयॉर्क में अभी पेंडिंग है।

फॉरेंसकि ऑडिट मानकों में विशिष्ट स्थिति से निपटने को पर्याप्त लचीलापन : आईसीएआई

नयी दिल्ली,

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) ने कहा है कि फॉरेंसिक ऑडिट और जांच मानकों में किसी विशिष्ट स्थिति से निपटने के लिए 'पर्याप्त लचीलापन' है। इससे वित्तीय संस्थानों द्वारा किए जाने वाले फॉरेंसिक ऑडिट में एकरूपता सुनिश्चित होगी। चार्टर्ड अकाउंटेंट के शीर्ष निकाय आईसीएआई ने 13 फॉरेंसिक लेखा एवं जांच मानक (एफएआईएस) जारी किए हैं। इसके अलावा तीन अतिरिक्त अति महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं। इन्हें संस्थान के डिटिजल अकाउंटिंग एंड एश्योरेंस बोर्ड ने जारी किया है। आईसीएआई के अध्यक्ष निहार एन जम्बूसरिया ने पीटीआई-भाषा से कहा कि आठ और मानदंड अभी पाइपलाइन में हैं। फॉरेंसिक ऑडिट संस्थानों विशेषरूप से बैंकों की वित्तीय सेहत और ऋण पोर्टफोलियो के आकलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पूछे जाने पर कि क्या इन मानकों से बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के फॉरेंसिक ऑडिट में एकरूपता सुनिश्चित होगी, जम्बूसरिया ने हां में जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से इससे बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के फॉरेंसिक ऑडिट में एकरूपता सुनिश्चित होगी। इससे कुल मिलाकर इस व्यवस्था की गुणवत्ता सुधरेगी।'' उन्होंने कहा कि एफएआईएस एक प्रकार की न्यूनतम आवश्यकता है जो कि आईसीएआई के सभी सदस्यों पर लागू होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

साइ ने गैर आवासीय खिलाड़ियों को उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास की अनुमति दी

नई दिल्ली । भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने गैर आवासीय खिलाड़ियों को अपने राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में अभ्यास करने की अनुमति दे दी है। इन खिलाड़ियों को कोविड-19 के दिशानिर्देशों का कड़ा पालन करना होगा ताकि तोक्यो ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिये बनाया गया जैव सुरक्षित वातावरण बरकरार रहे। साई के क्षेत्रीय निदेशक शिव शर्मा ने एक पत्र में लिखा है, ''हम सभी जानते हैं कि राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास शुरू हो गया है। इस संबंध में यह संबंधित अधिकारियों को पता चला कि गैर आवासीय खिलाड़ी जैव सुरक्षित वातावरण बरकरार रखने के दायित्वों के कारण अभ्यास से वंचित हैं। पत्र में क्षेत्रीय प्रमुखों और उत्कृष्टता केंद्रों के प्रभारी को प्रतिभाशाली गैर आवासीय खिलाड़ियों को कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए नियत समय में अभ्यास की अनुमति देने के लिये कहा गया है। इसमें कहा गया है, ''क्षेत्रीय प्रमुख और उत्कृष्टता केंद्र के प्रभारी अपने विवेक से गैर आवासीय खिलाड़ियों को आवासीय आधार पर तुरंत प्रभाव से परिसर के भीतर अभ्यास की अनुमति दे सकते हैं।

विराट बतौर ओपनर खेलना जारी रखें, टीम का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज ज्यादा ओवर खेले : गावस्कर

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर की मंशा हैं कि विराट कोहली बतौर ओपनर खेलना जारी रखें। क्योंकि कोई भी टीम यही चाहती है कि उनका सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज ज्यादा से ज्यादा ओवर खेले और ये पारी की शुरुआत करने में ही संभव है। उन्होंने कहा कि सीमित ओवरों के मुकाबलों में टीम के सबसे बेहतर बल्लेबाज को ज्यादा ओवर खेलने चाहिए। ऐसे में कोहली के लिए ये जरूरी हो जाता है कि वो टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी करें। गावस्कर ने इंडिया टुडे से चर्चा के दौरान ये बातें कहीं। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने आगे कहा कि केएल राहुल का खराब फॉर्म टीम के लिए आपदा में अवसर की तरह है। बतौर ओपनर राहुल के खराब प्रदर्शन की वजह से आखिरी टी20 में भारतीय टीम को विराट कोहली और रोहित शर्मा के रूप में नया ओपनिंग कॉम्बिनेशन मिला, जिसे भविष्य में भी आजमाना चाहिए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का हवाला देते हुए कहा कि पहले वो भी वनडे में मध्यक्रम में खेलते थे। लेकिन जब उन्हें पारी की शुरुआत का मौका दिया गया तो केवल एक बल्लेबाज के तौर पर ही उनका खेल नहीं निखरा, बल्कि इसका पूरी तरह पर अच्छा प्रभाव पड़ा। इससे ये साफ है कि आपके बेस्ट बल्लेबाज को ऊपर खेलने का मौका मिलना चाहिए। वैसे कप्तान कोहली भी गावस्कर की इस सोच के समर्थन में नजर आ रहे हैं। पांचवें टी20 के बाद उन्होंने कहा था कि अगर वो रोहित के साथ ओपनिंग करते हैं तो इससे टीम को फायदा होगा और वो इस साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी के लिहाज से आईपीएल में भी ओपनिंग करने का ऐलान कर चुके हैं। बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी टी20 में टॉस हारने के बाद भारत ने पहले बल्लेबाजी की थी। इस मैच में टी नटराजन के रूप में भारत ने अतिरिक्त गेंदबाज खिलाया था। इस सूरत में केएल राहुल को टीम से बाहर किया गया और कप्तान विराट कोहली रोहित के साथ पारी की शुरुआत करने आए। ये पहला मौका था जब टी20 में विराट ने रोहित के साथ ओपनिंग की थी। उनका ये दांव चल गया और दोनों ने पहले विकेट के लिए 94 रन की पार्टनरशिप की। ये सीरीज में पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी थी।

कोहली ने करीब 3 साल और 29 मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय टी20 में ओपनिंग की थी और वो 80 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके इस प्रदर्शन ने ये साबित किया कि वो टॉप ऑर्डर में रोहित शर्मा के साथ टीम की बड़ी ताकत बन सकते हैं। वो आगे भी इस फॉर्मेट में ओपनिंग कर सकते हैं। क्योंकि सूर्यकुमार के आने के बाद अब टीम का मध्यक्रम संतुलित नजर आ रहा है। यहां पहले से ही श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत मौजूद हैं, जो मौके के हिसाब से बल्लेबाजी करना जानते हैं।

इंग्लैंड को टेस्ट और टी20 सीरीज में हराने के बाद अब वनडे की बारी है। दोनों देशों के बीच 23 मार्च से पुणे में तीन वनडे की सीरीज खेली जाएगी। इसमें भी टीम इंडिया कोहली के साथ पारी की शुरुआत करने का प्रयोग कर सकती है। क्योंकि मध्यक्रम में सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत पारी को संभालने का काम कर सकते हैं और जरूरत पड़ने पर निचले क्रम में पंड्या तेजी से रन बटोर सकते हैं।

ओलंपिक टिकट पाने वाले श्रीशंकर का लक्ष्य मौजूदा सत्र में 8.40 मीटर की छलांग लगाना

नई दिल्ली। हाल ही में फेडरेशन कप राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अपने राष्ट्रीय रिकार्ड में सुधार करने के साथ तोक्यो ओलंपिक 2020 का टिकट हासिल करने वाले लंबी कूद के एथलीट श्रीशंकर का लक्ष्य मौजूदा सत्र में अपने प्रदर्शन में और सुधार कर 8.40 मीटर की छलांग लगाना है। उन्होंने फेडरेशन कप में 8.26 मीटर लंबी छलांग लगाई थी। श्रीशंकर ने बताया कि मुझे तकनीकी रूप से सुधार करने की जरूरत है। अगर मैं इसे सही तरह से कर पाता हूं, तो मुझे पूरा यकीन है कि मैं सत्र के अंत तक करीब 8.40 मीटर की छलांग लगा सकता हूं। उम्मीद है कि मैं ओलंपिक खेलों में ऐसा करके देश के लिए पदक जीत सकता हूं। उन्होंने बताया कि छोटी उम्र से ही मुझे खेलों विशेष रूप से ट्रैक एवं फील्ड में काफी दिलचस्पी थी। मेरे माता-पिता दोनों अंतरराष्ट्रीय एथलीट रहे है। मेरे परिवार के करीब-करीब सभी सदस्य इसी खेल या दूसरे खेलों से जुड़े हुए थे। ऐसे में मेरा, इसी क्षेत्र में जाना स्वभाविक था। लंबी कूद में राष्ट्रीय रिकार्ड बनाना वाला यह खिलाड़ी शुरू में एक घावक था, जिसे जूनियर सर्किट में सफलता भी मिली थी। मैं अपने पिता के साथ पास के मैदान में जाता और दौड़ लगाता था। किशोरावस्था में मैंने धावक के रूप में शुरुआत की। इसमें मुझे जिला और राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने में सफलता भी मिली। मैं धीरे-धीरे लंबी कूद में अभ्यास करने लगा क्योंकि, मेरे पिता को मुझमें अच्छी छलांग लगाने की क्षमता के बारे में अहसास हो गया था। 10वीं कक्षा से मैंने लंबी कूद में गंभीरता से प्रशिक्षण लेना शुरू किया। आत्मविश्वास से भरे श्रीशंकर ने कहा कि उन्होंने (पिता) मेरे लिए बुनियादी बातों को ठीक बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। साल-दर-साल मैंने अपनी छलांग को करीब 20-25 सेंटीमीटर बढ़ाने का प्रयास किया है। मैं अपनी छलांग वृद्धि करता रहा और अब एक बड़ी छलांग लगाने में कामयाब हुआ हूं।÷ श्रीशंकर ने इससे पहले सितंबर 2018 में भुवनेश्वर में राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में लंबी कूद के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा था।

चैम्पियन चैस टूर मेगनस इनविटेशनल शतरंज - नेपोनियची और अनीश मे ख़िताबी मुक़ाबला

टोन्सबेर्ग ,नॉर्वे (निकलेश जैन) मेल्टवाटर चैम्पियन चैस टूर के पांचवे पड़ाव मेगनस इन्विटेशनल शतरंज के फाइनल मे अब अंतिम और निर्णायक मुक़ाबला खेला जाएगा । विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन को मात देकर फाइनल पहुंचे रूस के इयान नेपोमनियाची और विश्व 960 शतरंज चैम्पियन यूएस के वेसली सो को पराजित कर ख़िताबी मुक़ाबला खेल रहे नीदरलैंड के अनीश गिरि के बीच बेस्ट ऑफ टू फाइनल का पहला दिन 2-2 से बराबरी पर छूटा है और ऐसे मे अब दूसरे दिन अंतिम चार रैपिड मे जो भी खिलाड़ी 2.5 अंक बना लेगा वही इस 1,50,000 अमेरिकन डॉलर की पुरुष्कार राशि वाले टूर्नामेंट को जीत लेगा, अगर रैपिड से भी निर्णय नहीं हुआ तो फिर विजेता का फैसला ब्लिट्ज और अरमागोदेन टाईब्रेक से होगा । वही तीसरे स्थान के लिए हुए मुक़ाबले मे मेगनस कार्लसन नें वेसली सो को एकतरफा मुक़ाबले मे 3-1 से पराजित करते हुए बढ़त कायम कर ली । वैसे पाँच टूर्नामेंट मे यह तीसरा मौका रहा है जब कार्सलन खिताब के फाइनल मे भी जगह नही बना सके है।

भारतीय निशानेबाज गनीमत सेखों ने महिला स्कीट में कांस्य पदक जीता

नयी दिल्ली, युवा भारतीय निशानेबाज गनीमत सेखों ने रविवार को यहां अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप में प्रतिस्पर्धा के तीसरे दिन महिलाओं की स्कीट में कांस्य पदक जीता। पुरूषों के स्कीट फाइनल में हालांकि भारतीय निशानेबाज गुरजोत खांगुरा 17 अंक के साथ छठे स्थान पर रहे। उन्होंने क्वालीफिकेशन में भी छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। इस प्रतियोगिता में डेनमार्क के जैसपर हानसेन (58) ने स्वर्ण जबकि यूएई के बिन फुतैस सैफ (51) ने रजत और कतर के नासेर सालेह अल-अतियाह (44) ने कांस्य पदक जीता । नासेर कई बार डकार रैली के चैम्पियन भी रहे है। इससे पहले यहां कर्णी सिंह निशानेबाजी परिसर की शॉटगन रेंज में विश्व रैंकिंग में 82वें स्थान पर काबिज 20 साल की गनीमत ने महिलाओं के मुकाबले में 40 सटीक निशाने लगाये। फाइनल में जगह पक्की करने वाली एक अन्य भारतीय निशानेबाज कार्तिका सिंह शेखावत 32 निशाने के साथ चौथे स्थान पर रही। प्रतियोगिता के दौरान ज्यादातर समय तक दूसरे स्थान पर रही गनीमत लगातार तीन बार सही निशाना लगाने से चूक गयी जिससे ब्रिटेन की अम्बर हिल और कजाखस्तान की जोया करावचेंको के बीच स्पर्ण पदक के लिए बेहद करीबी मुकाबला हुआ। स्वर्ण पदक के लिए हुए शूट-ऑफ में हिल ने करावचेंको को पछाड़ दिया। क्वालीफिकेशन में गनीमत ने 117 अंक के साथ तीसरे जबकि कार्तिका ने 116 अंक के साथ चौथे स्थान पर थी। भारत की एक अन्य खिलाड़ी परीनाज धालीवाल 108 अंक के साथ नौवें स्थान पर रही।

गनीमत इससे पहले 2018 में आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय स्कीट निशानेबाज बनी थी। उन्होंने सिडनी में हुए जूनियर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। वह 2018 एशियाई खेलों में इस स्पर्धा में 10वें स्थान पर रही थी।

संक्षिप्त समाचार

ISSF World Cup: भारतीय महिला पिस्टल टीम ने जीता स्वर्ण

नई दिल्ली । भारत की यश्वस्विनी सिंह देसवाल, मनु भाकर और श्री निवेथा की टीम ने रविवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल की टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में 16 शॉट जमाये और वह पोलैंड की जूलिता बोरेक, योआना इवोना वावरजोनोवस्का और एग्निस्का कोरेजवो को पीछे छोड़ने में सफल रही। कर्णी सिंह रेंज में चल रही प्रतियोगिता में पोलैंड की टीम आठ अंक ही बना पाई। भारतीय टीम ने दूसरे क्वालीफिकेशन में 576 अंक बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया था जबकि पोलैंड की टीम 567 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही थी। पहले क्वालीफिकेशन में भारतीयों ने छह सीरीज में 290, 287, 288, 287, 293 और 287 के साथ कुल 1731 अंक बनाये। पोलैंड ने 286, 283, 286, 286, 286 और 287 की सीरीज के साथ 1701 अंक बनाए थे। इससे पहले शनिवार को 23 वर्षीय देसवाल ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में हमवतन भाकर को पीछे छोड़कर स्वर्ण पदक जीता था।

कप्तान मोर्गन चाहते हैं विश्व कप से पहले आईपीएल का पूरा फायदा उठाएं इंग्लैंड के खिलाड़ी

अहमदाबाद । इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन चाहते हैं कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने वाले उनके खिलाड़ी भारत में इस साल के आखिर में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिए इस धनाढ्य टी20 टूर्नामेंट का पूरा लाभ उठाएं। टी20 विश्व कप इस साल अक्टूबर-नवंबर में भारत में खेला जाना है और मोर्गन को उम्मीद है कि इंग्लैंड के क्रिकेटर 9 अप्रैल से शुरू होने वाले आईपीएल का पूरा फायदा उठाएंगे। मोर्गन ने भारत के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के बाद कहा कि आईपीएल का पूरा फायदा उठाना बेहद महत्वपूर्ण होगा। एक खिलाड़ी या टीम के रूप में हम एक जगह पर स्थिर नहीं रहना चाहते हैं। हम आगे बढना जारी रखना चाहते है। आईपीएल में खिलाड़ियों को जो भी मौका मिलेगा वे उसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। मोर्गन आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान हैं। उनके अलावा इंग्लैंड के अधिकतर शीर्ष खिलाड़ी इस टी20 टूर्नामेंट में खेलेंगे। इंग्लैंड को इस साल जून से सितंबर तक न्यूजीलैंड की दो टेस्ट और भारत की पांच टेस्ट मैचों के लिए मेजबानी करनी है जिसके बाद वे टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिये बांग्लादेश और पाकिस्तान में सीमित ओवरों की श्रृंखला खेलेंगे। उन्होंने कहा कि इन गर्मियों में हमारा कार्यक्रम बहुत व्यस्त है और फिर हम बांग्लादेश और पाकिस्तान का दौरा करेंगे। आप जानते हैं कि इन मैचों में हमारे पास सर्वश्रेष्ठ एकादश चुनने के सीमित अवसर होंगे। इसलिए मेरा मानना है कि अगले दो महीने का अनुभव काफी मायने रखेगा। इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका और भारत के खिलाफ हाल में टी20 श्रृंखलाओं में अपनी मजबूत टीम उतारी थी और मोर्गन ने खुलासा किया कि श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ गर्मियों में सीमित ओवरों की श्रृंखला में उन्हें उन खिलाड़ियों की सेवाओं से वंचित होना पड़ सकता है जो कई प्रारूपों में खेलते हैं।

पैरा निशानेबाज सिंघराज ने स्वर्ण पदक जीता, नरवाल चौथे स्थान पर रहे

अल ऐन ।

भारत के सिंघराज ने यहां अल ऐन 2021 विश्व निशानेबाजी पैरा स्पोर्ट विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने पी1 पुरूषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एचएच1 फाइनल्स में शीर्ष स्थान हासिल किया। सिडनी 2019 विश्व चैम्पियनशिप पदकधारी सिंघराज ने रियो 2016 कांस्य पदक विजेता सर्वर इब्रागिमोव को 2.8 अंक से पीछे छोड़ा। फाइनल स्कोर 236.8-234 रहा।

इब्रागिमोव फाइनल सीरीज से पहले महज 0.1 अंक से आगे चल रहे थे। फाइनल सीरीज में भारतीय निशानेबाज ने 9.9 और 10.4 का निशाना लगाया जबकि उज्बेकिस्तान के निशानेबाज ने 9.5 और 7.9 अंक से रजत पदक जीता। तुर्की के पूर्व पैरालंपिक चैम्पियन मुहरेम कोहरान यामाक ने 214.4 अंक से कांस्य पदक हासिल किया। विश्व चैम्पियनशिप के पदक विजेता मनीष नरवाल को 194.3 अंक से चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। पी3 मिश्रित 25 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 में कांस्य पदक जीतने वाले राहुल जाखड़ आठवें स्थान पर रहे। सिंघराज ने कहा, ''मैं लंबे समय बाद यह स्वर्ण जीतकर काफी खुश हूं।

इस विश्व कप से पहले मुझे पूरा भरोसा था कि मैं यहां अच्छा नतीजा हासिल करूंगा क्योंकि मैंने कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान काफी कड़ा अभ्यास किया था।

इंग्लैंड ने भारत खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम का किया ऐलान, यह खिलाड़ी हुआ टीम से बाहर

अहमदाबाद ।

जोफा आर्चर को चोट के कारण भारत के खिलाफ मंगलवार से पुणे में शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिये रविवार को इंग्लैंड की 14 सदस्यीय टीम से बाहर कर दिया गया। इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने शनिवार को खुलासा किया था कि आर्चर के वनडे श्रृंखला से हटने की संभावना है और इसके फलस्वरूप इंडियन प्रीमियर लीग से भी क्योंकि इस स्टार तेज गेंदबाज की कोहनी की चोट गंभीर हो गई है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के एक बयान के अनुसार ''आर्चर चोट के प्रबंधन और कोहनी की चोट की जांच के लिये ब्रिटेन लौट रहे हैं। ईसीबी ने कहा, ''उन्हें वनडे श्रृंखला के चयन के लिये अनफिट माना गया है जिसके मैच 23, 26 और 28 मार्च को खेले जाएंगे। तीन अतिरिक्त खिलाड़ी - जेक बॉल, क्रिस जोर्डन और डेविड मलान- बतौर कवर टीम के साथ यात्रा करेंगे जो हाल में समाप्त हुई टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला का हिस्सा थे जिसमें भारत ने 3-2 से जीत हासिल की थी। इंग्लैंड की वनडे टीम इस प्रकार है : इयोन मोर्गन (कप्तान), मोईन अली, जोनाथन बेयरस्टो, सैम बिलिंग्स, जोस बटलर, सैम कुरेन, टॉम कुरेन, लियाम लिविंगस्टोन, मैट पार्किन्सन, आदिल राशिद, जेसन रॉय, बेन स्टोक्स, रीस टॉप्ले, मार्क वुड।

ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन : जापान के हीरोयुकी और युता ने जीता पुरुष युगल खिताब

बर्मिंघम।

जापान के हीरोयुकी एंदो और युता वातानाबे की जोड़ी ने रविवार को यहां जारी ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन टूर्नामेंट का पुरुष युगल खिताब जीत लिया। हीरोयुकी और युता ने ऑल जापान फाइनल में अपने ही देश के ताकेशी कुमारा और केइगो सोनोदा को कड़े मुकाबले के बाद 21-15, 17-21, 21-11 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 8 मिनट चला। हीरोयुकी चौथी बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे। इससे पहले तीन बार वह हालांकि केनीची हायाकावा के साथ खेलेत हुए हार गए थे। इस साल ऑल इंग्लैंड में जापान का बोलबाला है। पुरुष युगल के अलावा जापानी खिलाड़ी महिला युगल, महिला एकल और मिश्रित युगल के फाइनल में पहुंचे हैं।

PCB के पूर्व अध्यक्ष ने दिया बयान, कहा- भारत-पाक सीरीज जिन्ना-गांधी के नाम पर हो

स्पोर्ट्स डेस्क ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष ज़का अशरफ ने भारत-पाक सीरीज को लेकरल बड़ा बयान दिया है। ज़का अशरफ ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज होनी चाहिए और इसी सीरीज का नाम जिन्ना-गांधी सीरीज रखी जानी चाहिए। अशरफ ने कहा कि उन्होंने इस सीरीज की पेशकश अपने कार्यकाल के दौरान की थी। लेकिन बीसीसीआई ने उनके इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। अशरफ ने बयान देते हुए कहा कि मैंने अपने कार्यकाल के दौरान भारतीय क्रिकेट बोर्ड को यह सलाह दी थी कि हमें दोनों देशों के महान नेताओं जिन्ना-गांधी के नाम सीरीज होनी चाहिए। लेकिन बीसीसीआई इस प्रस्ताव को लेकर हिचकिचा रहा था क्योंकि वहां भारत में मोदी जैसे चरमपंथी तत्व मौजूद हैं। अशरफ ने कहा कि यह सीरीज ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले जानी वाली एशेज सीरीज की तरह होती। इससे दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों में सुधार होता और दोनों देशों के लोगों अच्छी क्रिकेट देखने को मिलती। अशरफ ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच किसी तटस्थल जगह पर मैच होने चाहिए। अगर यह घरेलू जमीन पर नहीं खेला जा सकता तो इसकी जगह यूएई, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका या फिर किसी अन्य देश में खेल सकते हैं। मुझे यह भी लगता है कि मुख्य मुद्दा यह है कि आईसीसी ने एफटीपी के संबंध में अपने नियमों को बदल दिया है भारतीय बोर्ड के प्रभाव के कारण। बोर्ड सदस्यों को यह सुनिश्चित करने के बजाय देश नियमित आधार पर एक दूसरे टीमों के खिलाफ खेलें यह अच्छा रहता। गौर हो कि दोनों देशों के

बीच फिलहाल सीरीज नहीं खेली जा रही।

भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी बार द्विपक्षीय सीरीज साल 2012-13 में खेली गई थी। जहां पाकिस्तान की टीम भारतीय दौरे पर आई थी। इस दौरे के बाद दोनों ही टीमें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में ही एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हुए दिखाई दी हैं।

टेनिस : ज्वेरेव ने सितसिपास को हराकर जीता मेक्सिन ओपन का खिताब

एकापुल्को (मेक्सिको)। जर्मनी के एलेक्सजेंडर ज्वेरेव ने टॉप सीड ग्रीस के स्तेफानोस सितसिपास को फाइनल में हराकर मेक्सिन ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। ज्वेरेव ने दो घंटे 17 मिनट तक चले खिताबी मुकाबले में सितसिपास को लगातार सेटों में 6-4, 7-6 (7-3) से हराकर 14वां एटीपी खिताब जीता। पिछले साल यूएस ओपन के उपविजेता रहे ज्वेरेव को 2019 एटीपी 500 टूर्नामेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस से लगातार सेटों में हार का सामना करना पड़ा था। डीपीए न्यूज के अनुसार, ज्वेरेव ने कहा, पहले सेट में मेरी शुरुआत अच्छी नहीं रही और मैं सोच रहा था कि मैं बेहतर नहीं खेल पा रहा हूं। मुझे अपने रास्ते की तलाश के लिए लड़ना था और मैं पहला सेट जीतने में कामयाब रहा। उन्होंने कहा, दूसरे सेट में जब मुझे मौका मिला तो मैंने बढ़त हासिल करने की कोशिश की। आमतौर पर शीर्ष खिलाड़ी आपको दूसरा मौका नहीं देते हैं। मुझे लगता है कि मैंने टाई ब्रेक में अच्छा प्रदर्शन किया और मैं इससे खुश हूं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विश्व जल दिवस

आओ बचाएं पानी

जल ही जीवन है. जल के बिना जीवन की कल्पना अधूरी है. हम सब जानते हैं हमारे लिए जल कितना महत्वपूर्ण है. लेकिन यह सब बातें हम तब भूल जाते हैं जब अपनी टंकी के सामने मुंह धोते हुए पानी को बर्बाद करते रहते हैं और तब जब हम कई लीटर मूल्यवान पानी अपनी कीमती कार को नहलाने में बर्बाद कर देते हैं. किताबी दुनिया और किताबी ज्ञान को हममें से बहुत कम ही असल जिंदगी में उतार पाते हैं और इसी का नतीजा है कि आज भारत और विश्व के सामने पीने के पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है. धरातल पर तीन चौथाई पानी होने के बाद भी पीने योग्य पानी एक सीमित मात्रा में ही है. उस सीमित मात्रा के पानी का इंसान ने अंधाधुध दोहन किया है. नदी, तालाबों और झरनों को पहले ही हम कैमिकल की भेंट चढ़ा चुके हैं, जो बचा खुचा है उसे अब हम अपनी अमानत समझ कर अंधाधुंध खर्च कर रहे हैं. और लोगों को पानी खर्च करने में कोई हर्ज भी नहीं क्यूंकि अगर घर के नल में पानी नहीं आता तो वह पानी का टैंकर मंगवा लेते हैं. सीधी सी बात है पानी की कीमत को आज भी आदमी नहीं समझ पाया है क्यूंकि सबको लगता है आज अगर यह नहीं है तो कल तो मिल ही जाएगा.पर हालात हर जगह एक जैसे कहां होते हैं? अगर हम भारत की बात करें तो देखेंगे कि एक तरफ दिल्ली, मुंबई जैसे महानगर हैं जहां पानी की किल्लत तो है पर फिर भी यहां पानी की समस्या विकराल रुप में नहीं है. यहां पानी के लिए जिंदगी दांव पर नहीं लगती पर देश के कुछ ऐसे राज्य भी हैं जहां आज तक जिंदगियां पानी की वजह से दम तोड़ती नजर आती हैं. राजस्थान, जैसलमेर और अन्य रेगिस्तानी इलाकों में पानी आदमी की जान से भी ज्यादा कीमती है. पीने का पानी इन इलाकों में बड़ी कठिनाई से मिलता है. कई कई किलोमीटर चल कर इन प्रदेशों की महिलाएं पीने का पानी लाती हैं. इनकी जिंदगी का एक अहम समय पानी की जद्दोजहद में ही बीत जाता है.

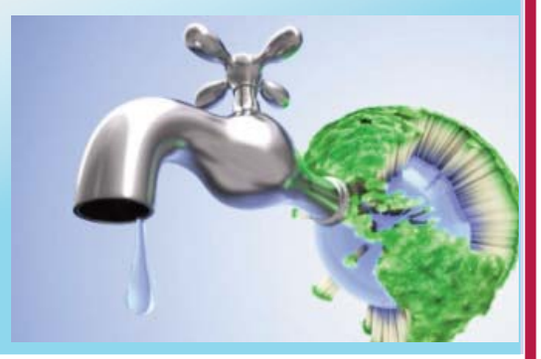

बूंद-बूंद कीमती

रियो डि जेनेरियो में 1992 में आयोजित पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (NCED) विश्व जल दिवस की पहल में की गई। 22 मार्च याने विश्व जल दिवस। पानी बचाने के संकल्प का दिन। पानी के महत्व को जानने का दिन और पानी के संरक्षण के विषय में समय रहते सचेत होने का दिन। आँकड़े बताते हैं कि विश्व के 1.5 अरब लोगों को पीने का शुद्ध पानी नही मिल रहा है। प्रकृति जीवनदायी संपदा जल हमें एक चक्र के रूप में प्रदान करती है, हम भी इस चक्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। चक्र को गतिमान रखना हमारी ज़िम्मेदारी है, चक्र के थमने का अर्थ है, हमारे जीवन का थम जाना। प्रकृति के ख़ज़ाने से हम जितना पानी लेते हैं, उसे वापस भी हमें ही लौटाना है। हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते अत: प्राकृतिक संसाधनों को दूषित न होने दें और पानी को व्यर्थ न गँवाएँ यह प्रण लेना आज के दिन बहुत आवश्यक है।

पानी पानी रे

पानी के बारे में एक नहीं, कई चौंकाने वाले तथ्य हैं। विश्व में और विशेष रुप से भारत में पानी किस प्रकार नष्ट होता है इस विषय में जो तथ्य सामने आए हैं उस पर जागरूकता से ध्यान देकर हम पानी के अपव्यय को रोक सकते हैं। अनेक तथ्य ऐसे हैं जो हमें आने वाले ख़तरे से तो सावधान करते ही हैं, दूसरों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और पानी के महत्व व इसके अनजाने स्रोतों की जानकारी भी देते हैं।

- मुंबई में रोज़ वाहन धोने में ही 50 लाख लीटर पानी खर्च हो जाता है।
- दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइप लाइनों के वॉल्व की खराबी के कारण रोज़ 17 से 44 प्रतिशत पानी बेकार बह जाता है।
- इज़राइल में औसतन मात्र 10 सेंटी मीटर वर्षा होती है, इस वर्षा से वह इतना अनाज पैदा कर लेता है कि वह उसका निर्यात कर सकता है। दूसरी ओर भारत में औसतन 50 सेंटी मीटर से भी अधिक वर्षा होने के बावजूद अनाज की कमी बनी रहती है।
- पिछले 50 वर्षों में पानी के लिए 37 भीषण हत्याकांड हुए हैं।
- भारतीय नारी पीने के पानी के लिए रोज ही औसतन चार मील पैदल चलती है।
- पानीजन्य रोगों से विश्व में हर वर्ष 22 लाख लोगों की मौत हो जाती है।
- हमारी पृथ्वी पर एक अरब 40 घन किलो लीटर पानी है। इसमें से 97.5 प्रतिशत पानी समुद्र में है, जो खारा है, शेष 1.5 प्रतिशत पानी बर्फ़ के रूप में ध्रुव प्रदेशों में है। इसमें से बचा एक प्रतिशत पानी नदी, सरोवर, कुओं, झरनों और झीलों में है जो पीने के लायक है। इस एक प्रतिशत पानी का 60 वाँ हिस्सा खेती और उद्योग कारखानों में खपत होता है। बाकी का 40 वाँ हिस्सा हम पीने, भोजन बनाने, नहाने, कपड़े धोने एवं साफ़-सफ़ाई में खर्च करते हैं।
- यदि ब्रश करते समय नल खुला रह गया है, तो पाँच मिनट में करीब 25 से 30 लीटर पानी बरबाद होता है।
- बाथ टब में नहाते समय 300 से 500 लीटर पानी खर्च होता है, जबकि सामान्य रूप से नहाने में 100 से 150 पानी लीटर खर्च होता है।
- विश्व में प्रति 10 व्यक्तियों में से 2 व्यक्तियों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल पाता है।
- प्रति वर्ष 3 अरब लीटर बोतल पैक पानी मनुष्य द्वारा पीने के लिए प्रयुक्त किया जाता है।
- नदियाँ पानी का सबसे बड़ा स्रोत हैं। जहाँ एक ओर नदियों में बढ़ते प्रदूषण रोकने के लिए विशेषज्ञ उपाय खोज रहे हैं वहीं कल कारखानों से बहते हुए रसायन उन्हें भारी मात्रा में दूषित कर रहे हैं। ऐसी अवस्था में जब तक कानून में सख्ती नहीं बरती जाती, अधिक से अधिक लोगों को दूषित पानी पीने का समय आ सकता है।
- पृथ्वी पर पैदा होने वाली सभी वनस्पतियाँ से हमें पानी मिलता है।
- आलू में और अनन्नास में 80 प्रतिशत और टमाटर में 15 प्रतिशत पानी है।
- पीने के लिए मानव को प्रतिदिन 3 लीटर और पशुओं को 50 लीटर पानी चाहिए।
- 1 लीटर गाय का दूध प्राप्त करने के लिए 800 लीटर पानी खर्च करना पड़ता है, एक किलो गेहूँ उगाने के लिए 1 हजार लीटर और एक किलो चावल उगाने के लिए 4 हजार लीटर पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार भारत में 83 प्रतिशत पानी खेती और सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता है।

पानी की इसी जंग को खत्म करने और इसके प्रभाव को कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 1992 के अपने अधिवेशन में 22 मार्च को विश्व जल दिवस के रुप में मनाने का निश्चय किया जिस पर सर्वप्रथम 1993 को पहली बार 22 मार्च के दिन पूरे विश्व में जल दिवस के मौके पर जल के संरक्षण और रखरखाव पर जागरुकता फैलाने का कार्य किया गया. इस वर्ष के विश्व जल दिवस का विषय 卐शहरों के लिए पानी卐 - शहरीकरण की प्रमुख भावी चुनौतियों को उजागर करता है. शहरीकरण के कारण अधिक सक्षम जल प्रबंधन और बढ़िया पेय जल और सैनिटेशन की जरूरत पड़ती है. लेकिन शहरों के सामने यह एक गंभीर समस्या है. शहरों की बढ़ती आबादी और पानी की बढ़ती मांग से कई दिक्कतें खड़ी हो गई हैं. जिन लोगों के पास पानी की समस्या से निपटने के लिए कारगर उपाय नहीं है उनके लिए मुसीबतें हर समय मुंह खोले खड़ी हैं. कभी बीमारियों का संकट तो कभी जल का अकाल, एक शहरी को आने वाले समय में ऐसी तमाम समस्याओं से रुबरु होना पड़ सकता है. ऐसा नहीं है कि पानी की समस्या से हम जीत नहीं सकते. अगर सही ढ़ंग से पानी का सरंक्षण किया जाए और जितना हो सके पानी को बर्बाद करने से रोका जाए तो इस समस्या का समाधान बेहद आसान हो जाएगा. लेकिन इसके लिए जरुरत है जागरुकता की. एक ऐसी जागरुकता की जिसमें छोटे से छोटे बच्चे से लेकर बड़े बूढ़े भी पानी को बचाना अपना धर्म समझें. आप पानी को बचाने के लिए कौन से कदम उठाते हैं? आपका एक छोटा सा प्रयास कईयों की प्यास बुझा सकता है, तो लिखिए अपने टिप्स, सलाह और कार्य जिनसे आपको लगता है पानी बचाया जा सकता है.

हम सब संकल्प लें.....

नमस्कार प्यारे बच्चो,

क्या आपको पता है कि हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है इसको मनाने का उद्देश्य यही है कि हम पानी की संभाल करें, यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है पानी हमारे जीवन की पहली प्राथमिकता है, इसके बिना तो जीवन संभव ही नहीं क्या आपने कभी सोचा कि धरती पर पानी जिस तरह से लगातार गंदा हो रहा है और कम हो रहा है , अगर यही क्रम लगातार चलता रहा तो क्या हमारा जीवन सुरक्षित रहेगा कितनी सारी आपदाओं का सामना करना पड़ेगा और सबकी जिन्दगी खतरे में पड़ जाएगी इस लिए हम सबको अभी से इन सब बातों को ध्यान में रख कर पानी की संभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी उठानी चाहिए यह दिवस तो 22 मार्च को मनाया जाता है और वैसे भी पानी की आवश्यकता तो हमें हर पल होती है फिर केवल एक दिन ही क्यों, हमें तो हर समय जीवनदायी पानी की संभाल के लिए उपाय करते रहना चाहिए, यह दिन तो बस हमें हमारी जिम्मेदारी का अहसास कराने के लिए मनाए जाते हैं

तो चलो हम सब संकल्प लें कि हर समय अपनी जिम्मेदारी को निभाएंगे इस तरह हम बहुत सारे जीवों का जीवन बचाने में अपना सहयोग दे सकते हैं

मै आपको एक कहानी सुनाती हूँ, कि पानी को गंदा करने से या गंदा पानी पीने से क्या नुक्सान होता है.....

कहानी
अमृत का घोल

नदी किनारे था इक गाँव
घनी वहां पेडों की छाँव
मस्त-मस्त जब चले हवाएं
चारों ओर खुशबू फैलाएं
गाँव के बाहर बड़ा सा तल
भरा वहां वर्षा का जल
सब मिल उसकी करें संभाल
लगाया तल के ऊपर जाल
ताकि गंदा न हो तल
स्वच्छ रहे तालाब का जल
गर्मी की ऋतु जब भी आए
नदी में पानी कम हो जाए
तो फिर मिलकर सारे लोग
करें तल का पानी प्रयोग
गर्मी के दिन यूँ बिताएं
इतने में वर्षा ऋतु आए
छा जाए फिर से हरियाली
भर जाए फिर से तल खाली
पर इक था लड़का शैतान
जल मूल्य से था अनजान
इक दिन सूझी उसे शैतानी
क्यों न गंदा करे वो पानी
काटा उसने जाल को जाकर
फेंका कचरा जल में लाकर
खुले ताल पर पनपे मच्छर
बन गया बीमारी का घर
मरने लगे उसमें जल जन्तु
कोई भी यह न समझा परन्तु
क्योंकि तब जाड़े का मौसम
नदिया में पानी था हरदम
लड़के ने कर ली शैतानी
हो गया सारा गंदा पानी
कुछ दिन बाद वो शहर को आया
प्यास ने उसको खूब सताया
देखा एक गली में नल
पड़ा था पास खुला ही जल
वही जल पीकर प्यास बुझाई
पानी के साथ बीमारी आई
बुरा हो गया उसका हाल
पहुँच गया वो अस्पताल
मुश्किल से ही बची थी जान
आया फिर यह उसे ध्यान
गंदा किया है उसने तल
पिएंगे जो बाकी वह जल
होंगे वो भी सब बीमार
होगा यह तो अत्याचार
उलटे पाँव ही गाँव को आया
आकर उसने सबको बुलाया
सबके सामने गलती मानी
की थी जो उसने नादानी
सबने उसकी सुनी कहानी
बाहर निकाला तल का पानी
फिर से उसमे भरा स्वच्छ जल
अब न गंदा करेगा तल
बच तो गई थी सबकी जान
पर बच्चो यह रहे ध्यान
न करना ऐसी नादानी
कभी न गंदा करना पानी
पानी तो अमृत का घोल
हर बूँद इसकी अनमोल
पानी से मिलती जिंदगानी
व्यर्थ गंवाओ कभी न पानी

जल जंगल और जीवन

जल और जंगल के बीच एक प्राकृतिक रिश्ता है। जल है तो जंगल है और जंगल है तो जल है। इन दोनों प्राकृतिक संसाधनों का सीधा नाता मानव अस्तित्व से जुड़ा है। धरती का फेफड़ा कहलाने वाले पेड़ों का हमारे जीवन में सर्वत्र महत्व है, लेकिन सबसे बड़ा लाभ इनके द्वारा प्राणवायु ऑक्सीजन का उत्सर्जन और वायुमंडल को दूषित करने वाली एवं ग्लोबल वार्मिंग की जिम्मेदार गैस कार्बनडाई आक्साइड का अवशोषण करना है। अगर पेड़ नहीं होंगे तो ऑक्सीजन की कमी से हमारी सांसें घुट जाएंगी। इसी तरह अनमोल जल की भी महत्ता सर्वविदित है। प्यास लगने के बाद कोई भी तरल पदार्थ जल का विकल्प नहीं बन सकता है। तमाम वैज्ञानिक उपलब्धियों के बावजूद भी इसे कृत्रिम ढंग से अभी तक नहीं बनाया जा सका है। कुदरती जल ही हमें और हमारी सभ्यता को अभी तक बनाए रखे है। इसके अलावा भी जल हमारे जीवन के हर क्षेत्र के लिए बहुपयोगी है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर अपने जीवनदायी इन प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए ऐसे आयोजनों की जरूरत क्यों पड़ी? दरअसल धरती पर मौजूद मानव और प्राकृतिक संसाधनों के बीच काफी अर्से तक संतुलन कायम रहा। सह अस्तित्व की सांस्कृतिक विरासत के बूते हम एक दूसरे को लंबे अर्से तक लाभान्वित करते रहे। बदलते समय के साथ हमारा लालच बढ़ता गया। आर्थिक विकास की प्रतिद्वंद्विता के साथ-साथ हमारी आबादी भी बढ़ी। लिहाजा पहले जहां हम इन संसाधनों का उपभोग भर करते थे, अब दोहन करने लगे। लंबे समय तक चली इस प्रक्रिया के बीच हमें इन संसाधनों के रखरखाव और संरक्षण का ध्यान ही नहीं रहा। न ही हमने कभी इन्हें रिचार्ज करने की कोशिश की। हम पेयजल, कृषि, उद्योगों और अन्य जरूरतों के लिए धरती की कोख को सूखी करते गए। जमीन के अधिकाधिक इस्तेमाल के लिए वनों एवं पेड़ों की कटाई की तनिक परवाह नहीं की। नतीजा सामने आ रहा है। प्राकृतिक संसाधनों का संकट गहराने लगा है। पेयजल संकट से दुनिया का एक बड़ा हिस्सा जूझ रहा है। वानिकी को नष्ट करने से हर साल बाढ़, सूखा, भूस्खलन और सबसे बड़ी ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या सामने खड़ी है।

प्राकृतिक संसाधनों की कमी से खड़ी होने वाली समस्याएं जब सामने आईं तो हमें समझ में आया। अब तक बहुत देर हो चुकी थी। फिर भी वैश्विक स्तर पर कुछ संस्थाओं ने इन संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए ऐसे दिवसों को मनाना शुरू किया। हर साल मनाए जाने वाले ये दिवस अब जैसे परंपरागत होते जा रहे हैं। कुछ सरकारी संस्थाएं और समाजसेवी संगठन इन दिवसों पर थोड़ा सक्रिय जरूर हो जाते हैं लेकिन आम जनमानस जिसे इन प्राकृतिक संसाधनों की कमी का सर्वाधिक कष्ट उठाना पड़ता है, वह इन आयोजन के लक्ष्यों से जैसे विरक्त रहता है। ऐसे नहीं चलेगा। अपनी आगामी पीढ़ियों के लिए अगर पानी और ऑक्सीजन बचाए रखना है तो इन संसाधनों को हमें आज से ही बचाना होगा। देर अभी भी नहीं हुई है। सह अस्तित्व के संस्कृति को जीने की। तो आइए, अब यह बड़ा मुद्दा है कि हम बिना किसी तरफ देखे खुद अपने इन बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों को बचाने का आज ही संकल्प लें। धरती का तीन चौथाई हिस्सा जलाच्छादित है, लेकिन इसमें पीने योग्य स्वच्छ जल की हिस्सेदारी अंशमात्र ही है। धरती पर मौजूद जल की कुल मात्रा 1.4 अरब घन किमी है। इस पानी से पूरी पृथ्वी को तीन किमी चौड़ी पानी की परत से ढका जा सकता है।

यहां मौजूद कुल पानी का करीब 95 फीसद महासागरों में मौजूद है जो लवणीय होने के कारण पीने या अन्य उपयोग लायक नहीं है। चार फीसद पानी ध्रुवों पर मौजूद बर्फ में जमा है। शेष एक फीसदी हिस्से के तहत भूगर्भ में जमा पानी समेत जल चक्र में मौजूद कुल स्वच्छ जल की मात्रा आती है। कुल जल की 0.1 फीसद मात्रा स्वच्छ जल के रूप में नदियों, झीलों और पानी की धाराओं में विद्यमान है

जल ही जीवन है!

जल जीवन का है आधार,

जल जीवन का है आधार,
इसी से चलता है संसार,
ऑक्सीजन और हाईड्रोजन का,
इसमें संचित भण्डार.
जल प्रकृति का उपहार,
इससे धरती का श्रृंगार,
जीव जंतु व पशु पक्षी,
ये सबका ही है पालनहार.
जल विधि के विधान का अश्त्र ,
इसकी कमी से दुनिया त्रस्त,
जल की कमी सभी को खलती,
सृष्टि इस से फूलती फलती.

जल का सदुपयोग

जल का सदुपयोग करो,
जरा न दुरूपयोग करो.
जल से सबकी बुझती प्यास,
जल है अब कम अपने पास.
सूखे हैं झील और तालाब,
खपत का भी बढा दबाब.
जहाँ रुकेगा गन्दा जल,
जन्मेंगे मच्छर हर पल.
जब तक न हो जाये बरसात,
जल बचत की ही हो बात.
आपस में सहकार हो,
तब ही गर्मी पार हो.

जल ही तो जीवन है

जल ही तो जीवन है
पानी है गुनों की खान
पानी ही तो सब कुछ है
पानी है धरती की शान
पर्यावरण को न बचाया गया
तो वो दिन जल्दी ही आएगा
जब धरती पे हर इंसान
बस 'पानी पानी' चिल्लाएगा
रुपये पैसे धन दौलत
कुछ भी काम न आएगा
यदि इंसान इसी तरह
धरती को नोच के खाएगा
आने वाली पुश्तों का
कुछ तो हम करें ख्याल
पानी के बगैर भविष्य
भला कैसे होगा खुशहाल
बच्चे, बूढे और जवान
पानी बचाएँ बने महान
अब तो जाग जाओ इंसान
पानी में बसते हैं प्राण.

पानी से है धरती महान

पानी तो अनमोल है
उसको बचा के रखिये
बर्बाद मत कीजिये इसे
जीने का सलीका सीखिए
पानी को तरसते हैं
धरती पे काफी लोग यहाँ
पानी ही तो दौलत है
पानी सा धन भला कहां
पानी की है मात्रा सीमित
पीने का पानी और सीमित
तो पानी को बचाइए
इसी में है समृधी निहित
शेविंग या कार की धुलाई
या जब करते हो स्नान
पानी की जरूर बचत करें

पानी की है कमी इस कदर

पानी की है कमी इस कदर,
सुख गयी हैं झीलें,
दरक गयी उपजाऊ भूमि,
ताल रहे न गिले.
नदियों, कुओं, तालाबों से,
रूठ गया है पानी,
कहते हैं कुछ समझदार,
ये है अपनी नादानी.
पर्यावरण बिगाड़ा हमने,
हरे पेड़ काटे हैं,
पंछी का दाना छिना है,
दु:ख सबको बांटें हैं.
अभी वक्त है, वर्षा के,
जल को चलो सहेजें,
खेतों में लहरायें फसलें,
इतना पानी भेजें.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रम में ना रहें कि कोई युग लाखों वर्ष का होता है

युग क्या होता है इस संबंध में 5 तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। दूसरी बात यह कि भारत के धार्मिक इतिहास को युगों की प्रचलित धारण में लिखना या मानना कितना उचित है? जैसे कि श्रीराम जी त्रैता में और श्रीकृष्ण जी द्वापर में हुए थे। इस तरह तो इतिहास कभी नहीं लिखा जा सकता है। इतिहास को तो तारीखों में ही लिखना होता है और वह भी तथ्य और प्रमाणों के साथ। आओ जानते हैं कि युग की 5 मान्यताएं।

उल्लेखनीय है कि आपने सुना ही होगा मध्ययुग, आधुनिक युग, वर्तमान युग जैसे अन्य शब्दों को। इसका मतलब यह कि युग शब्द को कई अर्थों में प्रयुक्त किया जाता रहा है। मतबल यह कि युग का मान एक जैसी घटनाओं के काल से भी निर्धारित हो सकता है। तो क्या यह सही है या कि युग की धारणा कुछ और ही है?

पहली मान्यता

युग के बारे में कहा जाता है कि 1 युग लाखों वर्ष का होता है, जैसा कि सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है।

दूसरी मान्यता

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है।

तीसरी मान्यता

भारतीय ज्योतिषियों ने समय की धारणा को सिद्ध धरती के सूर्य की परिक्रमा के आधार पर नहीं प्रतिपादित किया है। उन्होंने संपूर्ण तारामंडल में धरती के परिभ्रमण के पूर्ण कर लेने तक की गणना करके वर्ष के आगे के समय को भी प्रतिपादित किया है। वर्ष को 'संवत्सर' कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं। बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5-5 वत्सर होते हैं। 12 युगों के नाम हैं- प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो 5 वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और 5वां युगवत्सर है।

चौथी मान्यता

ऋग्वेद के अन्य 2 मंत्रों से 'युग' शब्द का अर्थ काल और अहोरात्र भी सिद्ध होता है। 5वें मंडल के 76वें सूक्त के तीसरे मंत्र में 'नहुषा युगा मन्हारजांसि दीयथः' पद में युग शब्द का अर्थ 'युगोपलक्षितान कालान प्रसरादिसवनान अहोरात्रादिकालान वा' किया गया है। इससे स्पष्ट है कि उदय काल में युग शब्द का अन्य अर्थ अहोरात्र विशिष्ट काल भी लिया जाता था। ऋग्वेद के छठे मंडल के नौवें सूक्त के चौथे मंत्र में 'युगे-युगे विदध्यं' पद में युगे-युगे शब्द का अर्थ 'काले-काले' किया गया है। वाजसनेयी संहिता के 12वें अध्याय की 11वीं कंडिका में 'दैव्यं मानुषा युगा' ऐसा पद आया है। इससे सिद्ध होता है कि उस काल में देव युग और मनुष्य युग ये 2 युग प्रचलित थे। तैतिरीय संहिता के 'या जाता ओ वधयो देवेभ्यस्त्रियुगं पुरा' मंत्र से देव युग की सिद्धि होती है।

पांचवीं मान्यता

धरती अपनी धूरी पर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकंड अर्थात 60 घटी में 1,610 प्रति किलोमीटर की रफ्तार से घूमकर अपना चक्कर पूर्ण करती है। यही धरती अपने अक्ष पर रहकर सौर मास के अनुसार 365 दिन 5 घंटे 48 मिनट और 46 सेकंड में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण कर लेती है, जबकि चन्द्रमास के अनुसार 354 दिनों में सूर्य का 1 चक्कर लगा लेती है। अब सौरमंडल में तो राशियां और नक्षत्र भी होते हैं। जिस तरह धरती सूर्य का चक्कर लगाती है उसी तरह वह राशि मंडल का चक्कर भी लगाती है। धरती को राशि मंडल की पूरी परिक्रमा करने या चक्कर लगाने में कुल 25,920 साल का समय लगता है। इस तरह धरती का एक भोगकाल या युग पूर्ण होता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि लगभग 26,000 वर्ष बाद हमेशा ही उत्तर में दिखाई देने वाला ध्रुव तारा अपनी दिशा बदलकर पुनः उत्तर में दिखाई देने लगता है।

कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष

वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा के मकान को कुछ परिस्थिति को छोड़कर अशुभ और नकारात्मक प्रभाव वाला माना जाता है। दरअसल, हर दिशा में कोई न कोई ग्रह स्थित है जो कि अपना अच्छा या बुरा प्रभाव डालता है। यह निर्भर करता है मकान के वास्तु, मुहल्ले के वास्तु और उसके आसपास स्थित वातावरण और वृक्षों की स्थिति पर। प्रत्येक ग्रह का अपना एक वृक्ष होता है। जैसे चंद्र की शनि से नहीं बनती और यदि आपने घर के सामने चंद्र एवं शनि से संबंधित वृक्ष या पौधे लगा दिए हैं तो यह कुंडली में चंद्र और शनि की युति के समान होते हैं जो कि विषयोग कहा गया है। आओ जानते हैं कि कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष?

यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने द्वार से दोगुनी दूरी पर स्थित नीम का हराभरा वृक्ष है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।

यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने मकान से दोगना बड़ा कोई दूसरा मकान है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।

दक्षिणमुखी मकान का दोष खत्म करने के लिए द्वारा के उपर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र भी लगाना चाहिए।

दक्षिण मुखी प्लाट में मुख्य द्वार आग्नेय कोण में बना है और उत्तर तथा पूर्व की तरफ ज्यादा व पश्चिम व दक्षिण में कम से कम खुला स्थान छोड़ा गया है तो भी दक्षिण का दोष कम हो जाता है।। बगीचे में छोटे पौधे पूर्व-ईशान में लगाने से भी दोष कम होता है।

आग्नेय कोण का मुख्यद्वार यदि लाल या मरून रंग का हो, तो श्रेष्ठ फल देता है। इसके अलावा हरा या भूरा रंग भी चुना जा सकता है। किसी भी परिस्थिति में मुख्यद्वार को नीला या काला रंग प्रदान न करें।

दक्षिण मुखी भूखण्ड का द्वार दक्षिण या दक्षिण-पूरब में कतई नहीं बनाना चाहिए। पश्चिम या अन्य किसी दिशा में मुख्य द्वार लाभकारी होता हैं।

यदि आपका दरवाजा दक्षिण की तरफ है तो द्वार के ठीक सामने एक आदमकद दर्पण इस प्रकार लगाएं जिससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति का पूरा प्रतिबिंब दर्पण में बने। इससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के साथ घर में प्रवेश करने वाली नकारात्मक उर्जा पलटकर वापस चली जाती है।

सुनसान जगह पर क्यों नहीं रहना चाहिए?

हिन्दू पुराणों और वास्तु शास्त्र में कुछ जगहों पर एक सभ्य व्यक्ति को नहीं रहना चाहिए। यदि वह वहां रहता है तो निश्चित ही उसके जीवन और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। घर यह सुकून का नहीं है तो कैसे जीवन में सुकून आएगा। जैसे चौराहे, तिराहे, अवैध गतिविधियों वाली जगह, शोर मचाने वाली दुकान या फैक्ट्री आदि। इन्हीं में से एक है सुनसान इलाका। दरअसल, आप जहां रहते हैं उस स्थान से ही आपका भविष्य तय होता है। यदि आप गलत जगह रह रहे हैं तो अच्छे भविष्य की आशा मत कीजिये। आओ जानते हैं कि क्यों नहीं रहना चाहिए सुनसान जगह पर।

दो तरह के सुनसान होते हैं एक मरघट की शांति वाले और दूसरे एकांत की शांति वाले। कई लोग एकांत में रहना पसंद करते हैं। इसके चलते वे सुनसान में रहने चले जाते हैं। सुनसान जगह पर रहने के कई खतरें हैं और साथ ही शास्त्रों में ऐसी जगहों पर रहने की मनाही है।

भविष्य पुराण अनुसार आपका घर नगर या शहर के बाहर नहीं होना चाहिए। गांव या शहर में रहना ही तुलनात्मक रूप से अधिक सुरक्षित होता है।

यदि घर बहुत सुनसान स्थान पर या शरह-गांव के बाहर होगा तो जब भी आप घर से बाहर कहीं जाएंगे उस दौरान आपके मन और मस्तिष्क में घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी।

यह तो आप भी जाते होंगे कि सभी सुनसान स्थान पर अपराधी आसानी से अनिष्ट संबंधी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं।

दूसरी बात यदि शहर से दूर घर है तो रात-बिरात आने जाने में भी आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, भले ही आपके पास कार या बाइक हो।

सुनसान जगहों को राहु और केतु की बुराई का स्थान माना जाता है। यहां पर घटना और दुर्घटना के योग बने रहते हैं।

सुनसान जगहों पर नकारात्मक ऊर्जा और नकारात्मक विचार बहुत तेजी से पनपते हैं।

जहां अस्पताल, विद्यालय, नदी, तालाब, स्वजन या मनुष्य की आबादी नहीं है वहां पर नहीं रहना चाहिए।

ये 10 प्रकार के दरवाजे नहीं होना चाहिए

घर के दरवाजे बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। कई बार हम मकान खरीदते वक्त या बनवाते वक्त यह ध्यान नहीं देते हैं कि किस प्रकार के दरवाजे लगाए जा रहे हैं। घर का मुख्य द्वार वास्तु अनुसार होता है तो कई समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाती है। बेहतर होगा कि दरवाजा शीशम या सागौन की लकड़ी और धातु का बना हो।

दरजावा किसी भी प्रकार सा टूटा फूटा या तिरछा नहीं होना चाहिए। द्वार के खुलने बंद होने में आने वाली चरमराती ध्वनि स्वरवेध कहलाती हैं जिसके कारण आकस्मिक अप्रिय घटनाओं को प्रोत्साहन मिलता है। आओ जानते हैं कि घर का मुख्य द्वार कैसा होना चाहिए।

एक सीध में तीन दरवाजे नहीं होना चाहिए।

दरवाजे के भीतर दरवाजा नहीं बनाना चाहिए।

एक पल्ले वाला दरवाजा नहीं होना चाहिए। दो पल्ले वाला हो।

ऐसा दरवाजा नहीं होना चाहिए जो अपने आप खुलता या बंद हो जाता हो।

घर का मुख्य द्वार बाहर की ओर खुलने वाला नहीं होना चाहिए।

कुछ दरवाजे ऐसे होते हैं जिनमें खिड़कियां होती हैं ऐसे दरवाजों में वास्तुदोष हो सकता है।

मुख्य द्वार त्रिकोणाकार, गोलाकार, वर्गाकार या बहुभुज की आकृति वाला नहीं होना चाहिए।

मुख्य दरवाजा छोटा और उसके पीछे का दरवाजा बड़ा नहीं होना चाहिए। मुख्य दरवाजा बड़ा होना चाहिए।

घर के ऊपरी माले के दरवाजे निचले माले के दरवाजों से कुछ छोटे होने चाहिए।

घर में दो मुख्य द्वार हैं तो वास्तुदोष हो सकता है। विपरीत दिशा में दो मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए।

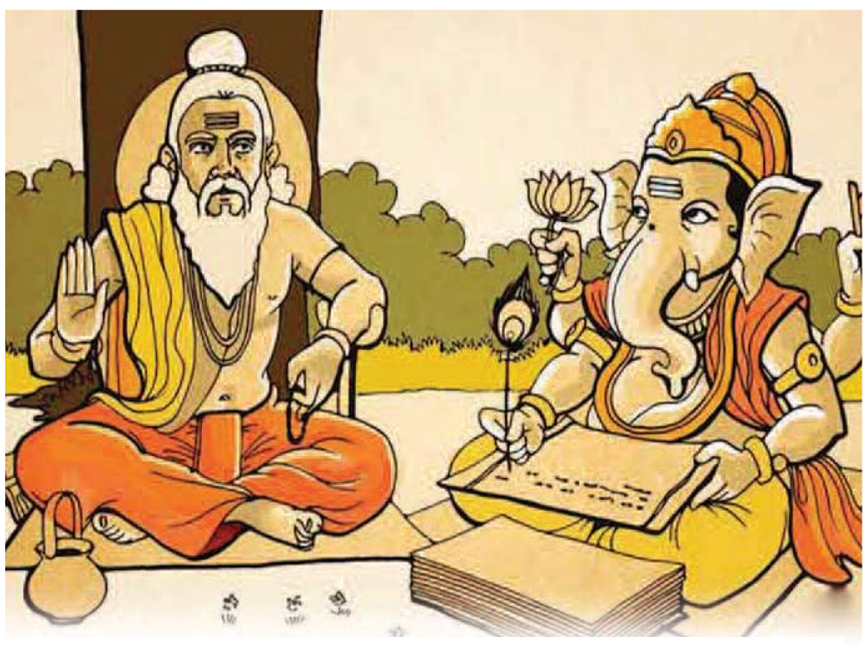

द्वापर युग के महाभारत काल में हुआ था गणेशजी का गजानन अवतार

मोदक प्रिय श्री गणेशजी विद्या-बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता हैं तथा थोड़ी उपासना से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्हें हिन्दू धर्म में प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व उन्हीं का स्मरण और पूजन किया जाता है। गणेशजी ने तीनों युग में जन्म लिया है और वे आगे कलयुग में भी जन्म लेंगे।

धर्मशात्रों के अनुसार गणपति ने 64 अवतार लिए, लेकिन 12 अवतार प्रख्यात माने जाते हैं जिसकी पूजा की जाती है। अष्ट विनायक की भी प्रसिद्धि है। आओ जानते हैं उनके द्वापर के अवतार गजानन के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

द्वापर युग में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं।

द्वापर युग में गणपति ने पुनः पार्वती के गर्भ से जन्म लिया व गणेश कहलाए।

परंतु गणेश के जन्म के बाद किसी कारणवश पार्वती ने उन्हें जंगल में छोड़ दिया, जहां पर पराशर मुनि ने उनका पालन-पोषण किया। ऐसा भी कहा जाता है कि वे महिष्मति वरेण्य वरेण्य के पुत्र थे। कुरुप होने के कारण उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया था।

इन्हीं गणेशजी ने ही ऋषि वेदव्यास के कहने पर महाभारत लिखी थी।

इस अवतार में गणेश ने सिंदुरासुर का वध कर उसके द्वारा कैद किए अनेक राजाओं व वीरों को मुक्त कराया था।

इसी अवतार में गणेश ने वरेण्य नामक अपने भक्त को गणेश गीता के रूप में शाश्वत तत्व ज्ञान का उपदेश दिया।

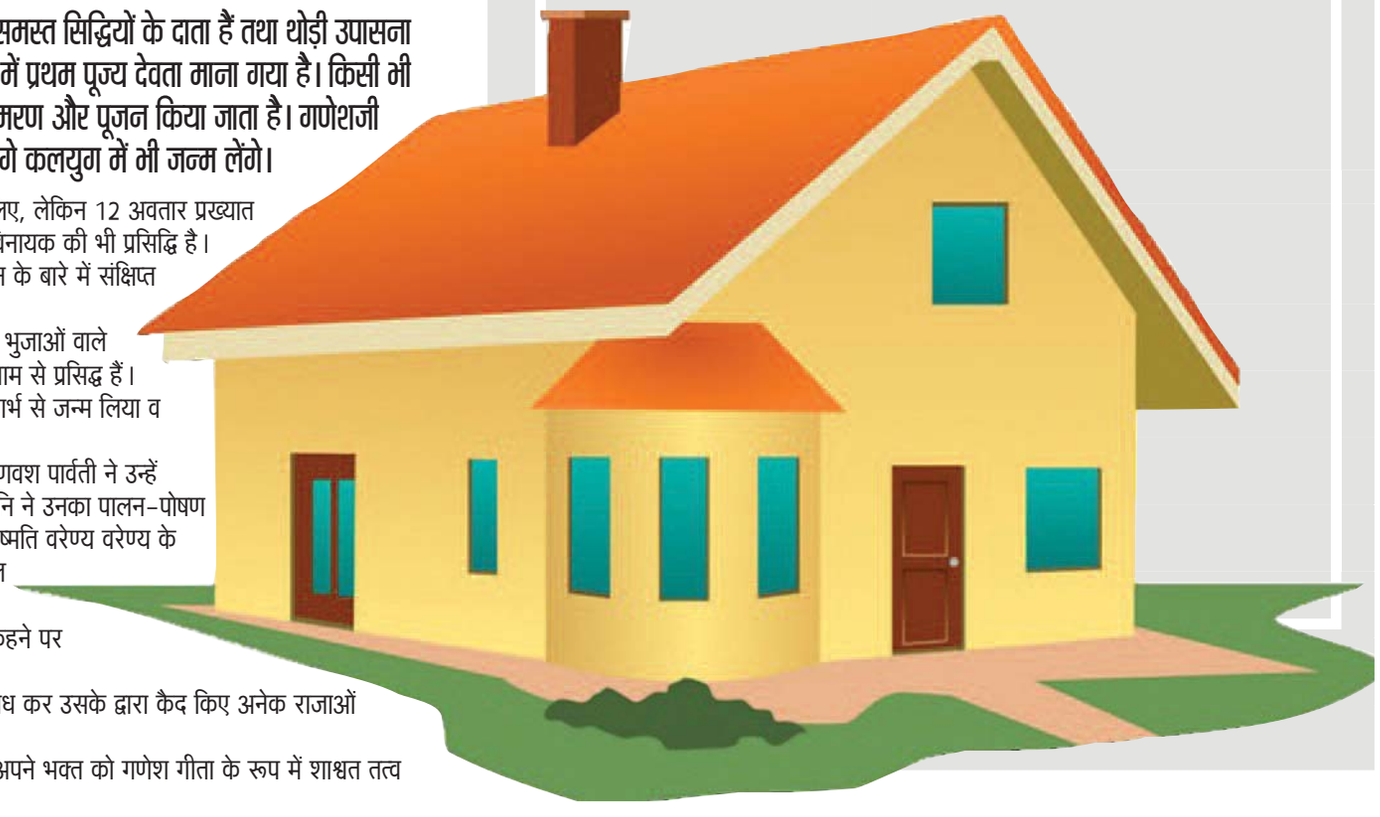

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरत पुलिस कमिश्नर & सुरत मनपा कमिश्नर के परिपत्र का उल्लंघन

कोविड-19 के नियमों का किया गई उल्लंघन, किरण ज्वेलरी द्वारा रखे गए 2 दिन के क्रिकेट टूर्नामेंट में

सुरत, सुरत में करोना के नई केसों के लेकर सुरत महानगर पलिका और सरकार के लिये चिंता का विषय बना हुआ हैं, लेकिन किरण ज्वेलरी कंपनी क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन कर प्रशासन और प्रशासनिक कार्यकर रहे लोगों चुनौती दिया, सारे निति नियमों को तोड़कर कोविड की SOPका उल्लंघन किया.

सचिन GIDC पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम क्रिकेट टूर्नामेंट

सार–समाचार

अफवाहों से बचें, गुजरात में नहीं लगेगा लॉकडाउनः मुख्यमंत्री

कोरोना संक्रमण की स्थिति को लेकर विजय रूपाणी का जनता के नाम संदेश

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने रविवार को राज्य के सभी नागरिकों से कोरोना संक्रमण के मौजूदा हालात में सावधानी, सतर्कता और सलामती रखते हुए राज्य सरकार की ओर से कोरोना के खिलाफ उठाए जा रहे कदमों में सहयोग देने का अनुरोध किया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इससे पूर्व जब कोरोना का फैलाव बढ़ा था तब सरकार के कदमों और उपायों को जनता-जनार्दन ने अपना समर्थन और सहयोग देकर ऐसी स्थिति का निर्माण किया था जिससे राज्य में कोरोना का संक्रमण कम से कम हो। अब, इस बार फिर से देश के अन्य राज्यों सहित गुजरात में भी संक्रमण बढ़ने के कारण सरकार द्वारा लगाई गई पाबंदियों का जिक्र करते हुए उन्होंने गुजरात के सभी नागरिकों से व्यापक हित में उसका समर्थन करने की अपील की है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक के माध्यम से राज्य के नागरिकों को संबोधित करते हुए साफ शब्दों में कहा कि लोगों को अफवाहों से घबराने की कोई जरूरत नहीं है। रूपाणी ने सभी नागरिकों को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में यह विश्वास दिलाया कि राज्य में फिर से लॉकडाउन लगाने का कोई इरादा ही नहीं है और सरकारकोरोना के कारण किसी धंधे-रोजगार को भी बंद कराने वाली नहीं है। उन्होंने राज्य के नागरिकों से कहा कि गुजरात में बढ़ रहे कोरोना के मामलों को लेकर सरकार बेहद गंभीरता से प्रयास कर रही है। इतना ही नहीं, कोरोना मामलों को किस तरह कम किया जाए और नए केसों के सतत ट्रीटमेंट के लिए भी यह सरकार समुचित कार्यवाही कर रही है। कोरोना का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए सरकार को कुछ कदम उठाने पड़े हैं। महानगरों में स्कूल और कॉलेजों में ऑफलाइन शिक्षा बंद करनी पड़ी है, तो ऑनलाइन शैक्षणिक कार्य हमने चालू ही रखा है। उन्होंने कहा कि कुछ महानगरों में रात्रि कर्फ्यू का समय बढ़ाना पड़ा है। होटल और रेस्तरां पर कुछ अंकुश लादने पड़े हैं। रूपाणी ने कहा कि फिर एक बार कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए उठाए गए इन कड़े कदमों से रोजाना के जीवन में कुछ असुविधा होगी। जनता को कुछ घुटन या बंधन महसूस होगा, लेकिन यह करना जरूरी था। उन्होंने कहा कि आम जनता को कोरोना काल में कम से कम तकलीफ हो, लोगों को परेशान न होना पड़े और व्यापार-रोजगार पर प्रभाव न पड़े, उसकी चिंता इस सरकार ने की है और आगे भी करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे पहले कोरोना की लहर देश सहित गुजरात में थी, तब भी हमें ऐसे नियंत्रण लगाने पड़े थे और उस समय गुजरात की जनता ने पूरा सहयोग भी दिया था। जब संक्रमण पर काबू पा लिया गया तब आम जनता को तकलीफ न हो उस तरह से नियमों में ढील भी दी गई थी। उसके बाद संक्रमण के थोड़ा बढ़ने पर हम फिर से सतर्क हुए थे, आवश्यक उपाय किए थे और संक्रमण को कम किया था। इसलिए ही हम भूतकाल में कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना के संक्रमण काल में पहले किए गए अनेक प्रयासों की सुप्रीम कोर्ट, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) जैसी अनेक संस्थाओं ने भी प्रशंसा की थी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बांकुरा में ममता सरकार पर बरसे पीएम मोदी, कहा- बंगाल में असली परिवर्तन लाकर दिखाएगी भाजपा

बंगाल में भाजपा असली परिवर्तन लाकर दिखाएगी : मोदी

गुवाहाटी। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए बांकुरा में भाजपा का चुनाव प्रचार किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने कहा कि बांकुरा की ये तस्वीर साक्षी है कि बंगाल के लोगों ने ठान लिया है- 2 मई, दीदी गई। आशोल पॉरिबोर्तोन होबे- बंगाल के गौरव को बढ़ाने के लिए। आशोल पॉरिबोर्तोन होबे- बंगाल में एक ऐसी सरकार लाने के लिए जो गरीबों की सेवा करे, उनकी तकलीफें दूर करें। दी अगर आप चाहती हैं तो आप अपना पैर मेरे सर पर रख सकती हैं, मुझे लात मार सकती हैं। लेकिन दीदी मेरी दूसरी बात भी कान खोलकर सुन लीजिए। मैं आपको अब बंगाल के विकास को लात नहीं मारने दूंगा। मैं आपको बंगाल के सपनों को लात नहीं मारने दूंगा।

ममता पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति ने आपको क्या बना दिया है। आपने अपना ये असली चेहरा 10 साल पहले दिखा दिया होता तो बंगाल में कभी आपकी सरकार नहीं बनती। ये हिंसा, ये अत्याचार, ये उत्पीड़न ही करना था तो फिर मां-माटी-मानुष की बात क्यों की आपने। उन्होंने कहा कि मैं जितना दीदी से आपके सवाल पूछता हूं, उतना वो मुझ पर गुस्सा करती हैं। अब तो कह रही हैं कि उनको मेरा चेहरा भी पसंद नहीं है। अरे दीदी, लोकतंत्र में चेहरा नहीं, जनता की सेवा, जनता के लिए किया गया काम कसौटी पर होता है। दीदी और उनकी सरकार ने 10 साल के दौरान पश्चिम बंगाल में क्या खेला किया, ये पूरा क्षेत्र इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। स्वर्गीय अजीत मूर्मू जैसे हमारे अनेक आदिवासी साथी तृणमूल के खेला के कारण शहीद हो गए।

इसे भी पढ़ें- पन्ना प्रमुख भाजपा की ताकत हैं, उन्हें दिलों को जीतने के लिए तैनात किया जाए- राजनाथ

मोदी ने कहा कि यहां का किसान साल में सिर्फ एक फसल लेने के लिए मजबूर है। यहां सिंचाई व्यवस्थाएं जर्जर क्यों हैं, परियोजनाएं लटकी क्यों हैं दीदी? यहां युवा परेशान हैं, चाकरी, उद्योग, निवेश कहां है दीदी? आपने 10 साल में सिर्फ खोखली घोषणाएं की हैं, जमीन पर काम कहां है दीदी? केंद्र सरकार हर घर पाइप से जल पहुंचाने के लिए अभियान चला रही है। हमने सैकड़ों करोड़ रुपए बंगाल सरकार को दिया है। लेकिन यहां की बहनें-बेटियां, बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं। नल कहां है दीदी, जल कहां है दीदी? यहां खेतों में पानी क्यों नहीं है दीदी?

मोदी ने लोगों से कहा कि बंगाल में आपको भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्थाएं मिलें, इसके लिए बीजेपी सरकार जरूरी है। बंगाल में विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए बीजेपी सरकार जरूरी है। आपके कॉलेज, यूनिवर्सिटिज की आधुनिकता बढ़े, इसके लिए बीजेपी सरकार जरूरी है। आपको डबल इंजन की सरकार के रास्ते पर आने वाली हर रुकावट को दूर करते चलना है। भाजपा- स्कीम पर चलती है। ञ्रष्ट- स्कैम पर चलती है। मैं पहली बार मतदाताओं से मतदान करने और सोनार बांग्ला के सपने को सच करने का आह्वान करता हूं। वाम, कांग्रेस और टीएमसी ने आपकी पिछली पीढ़ियों का काफी समय बर्बाद किया है। मैं आपका भविष्य बर्बाद नहीं होने दे सकता।

सार समाचार

कोरोना वायरस का जवाब टीकाकरण है न कि लॉकडाउन : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए एक दिन का लॉकडाउन लगाना बेमतलब की बात है जिससे लोगों में खुशफहमी पैदा हो सकती है। उन्होंने कोविड रोधी टीका लगाने के लिए अधिक लोगों को इजाजत देने की मांग की। मध्य प्रदेश सरकार ने 19 मार्च को ऐलान किया था कि कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए रविवार को भोपाल, इंदौर और जबलपुर में अगले आदेश तक लॉकडाउन लागू रहेगा। अब्दुल्ला ने ट्वीट किया, 'इस खतरनाक वायरस के लक्षण दिखने में दो से 14 दिन का समय लगता है और यह एक दिन का लॉकडाउन बेमतलब का दिखावा है। इससे लोगों में खुशफहमी पैदा होगी।' जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के प्रसार पर लगाम लगाने का तरीका टीकाकरण है और अधिक से अधिक लोगों को टीका लगवाने की इजाजत देनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'टीकाकरण जवाब है न कि एक दिन का लॉकडाउन।' अब्दुल्ला का यह बयान ऐसे समय में आया है जब रविवार को भारत में कोरोना वायरस के 43,846 नए मामले रिपोर्ट हुए हैं, जो इस साल सबसे ज्यादा है। भारत में फिलहाल 60 साल से अधिक और पहले से गंभीर बीमारी से पीड़ित 45-59 साल के लोगों के लिए टीकाकरण अभियान चल रहा है।

कोविड-19 की दूसरी लहर शुरू हो गई है : कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री

बेंगलुरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. के सुधाकर ने रविवार को कहा कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर शुरू हो गई है और उन्होंने इस महामारी पर रोक लगाने में लोगों का सहयोग मांगा। सुधाकर ने कोरोना वायरस के मामले बढ़ने पर यहां पत्रकारों से कहा, ''हम कोरोना वायरस की दूसरी लहर की शुरुआत में हैं। चलिए इस पर काबू पाने में सभी हाथ मिलाए क्योंकि अगले तीन महीने हमारे लिए अहम हैं।'' उन्होंने कहा कि वह कोविड-19 की स्थिति और उठाए जाने वाले कदमों के बारे में मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा से चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य की कोरोना वायरस पर तकनीकी सलाहकार समिति ने सरकार को यह कहते हुए स्पष्ट दिशा निर्देश दिए हैं कि अगर कुछ गतिविधियों पर नियंत्रण नहीं लगाया गया तो लोग परेशानी में आ जाएंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या ये गतिविधियां चुनाव से जुड़ी हैं, इस पर सुधाकर ने कहा, ''क्या कोई गतिविधि कोरोना वायरस से बचने का बहाना हो सकती है? क्या यह वीआईपी, राजनीतिक पार्टियों या धार्मिक सभाओं को बख्श देगा?'' मंत्री ने कोरोना वायरस की स्थिति को देखते हुए सर्वदलीय बैठक बुलाने की जरूरत पर जोर दिया क्योंकि उपचुनाव नजदीक आ रहे हैं और सभी राजनीतिक पार्टियां इसमें भाग लेंगी।

भारत-पाकिस्तान में मेल-मिलाप की प्रक्रिया कश्मीर से शुरू होनी चाहिए : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व को यह समझना चाहिए कि उपमहाद्वीप में शांति का रास्ता घाटी से होकर जाता है। उन्होंने कहा कि दोनों पड़ोसियों के बीच होने वाले किसी भी मेल-मिलाप की प्रक्रिया में कश्मीर एवं कश्मीरियों को आगे रखा जाना चाहिए। मुफ्ती की यह टिप्पणी पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के बयान के बाद आई है। बाजवा ने बृहस्पतिवार को कहा था कि दोनों देशों को 'अतीत को भूलकर आगे बढ़ना चाहिए।'' उन्होंने कहा था कि दोनों पड़ोसियों के बीच शांति से दक्षिण एवं मध्य एशिया क्षेत्र में क्षमताओं के दोहन में मदद मिलेगी। कुलगाम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुफ्ती ने कहा कि दोनों देशों के बीच रिश्तों की कोई भी पहल लंबे समय से लंबित जम्मू-कश्मीर के लोगों की मांगों को पूरी करने में सहायक होगी। पीडीपी ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख के बयान को सकारात्मक बताया।

ज्योतिरादित्य सिंधिया अब लोकतंत्र की हत्या करने वाली पार्टी के सदस्य : जीतू पटवारी

इंदौर। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष, मीडिया प्रभारी व पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने कहा कि हमारे अध्याय में अब ज्योतिरादित्य सिंधिया समाप्त हो चुके हैं। वे अब भाजपा के एक सदस्य हैं। भाजपा लोकतंत्र की हत्या करना चाहती है, जबकि कांग्रेस पार्टी उनका विरोध करते हुए लोकतंत्र की रक्षा करना चाहती है और करती रहेगी। शनिवार को जीतू पटवारी ने कांग्रेस के लोकतंत्र सम्मान दिवस कार्यक्रम के दौरान यह कहा। पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने कहा कि आज दो चीजों से बचने की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से कोरोना महामारी लोगों की जान ले रही है, ठीक उसी प्रकार से लोकतंत्र की हत्या भाजपा, नरेंद्र मोदी सरकार और आरएसएस की विचारधारा ने की है। ये लोग लगातार चुनी हुई सरकारों को गिराने का काम कर रहे हैं। अगर लोकतंत्र बचाना है तो सबसे पहले इस विचार से लड़ना होगा कि जो वोट मिला है, उसकी हत्या करना है। पटवारी कहा कि भाजपा ने आज के ही दिन मध्य प्रदेश में लोकतंत्र की हत्या की, संविधान का मजाक उड़ाया, बाबा साहेब की अवहेलना भी की। इसीलिए पूर्व सीएम कमलनाथ ने आदेश दिया था कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करना है। लोगों को हमें याद दिलाना है कि जो सत्ता में बैठे हैं वे लोकतंत्र के हत्यारे हैं। वे जरूर मुख्यमंत्री बने बैठे हैं, लेकिन हमें पता है कि वे लोकतंत्र के हत्यारे हैं। हम उनका विरोध करते हैं।

राहुल गांधी का आरोप, किसानों का भविष्य छीनना चाहती है सरकार

रायपुर। (एजेंसी)।

कृषि कानूनों को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार हमला तेज करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि सरकार देश के चंद शीर्ष उद्योगपतियों के फायदे के लिए किसानों की आय और भविष्य छीनना चाहती है। गांधी रिकॉर्ड किए गए वीडियो संदेश के माध्यम से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे कार्यक्रम में राज्य की दो योजनाओं के तहत किसानों और पशुपालकों को नकद का वितरण किया गया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने किसी का नाम लिए बिना कहा, 'हमने किसानों से जो वादा किया था, वह आज पूरा किया। आप जानते हैं, भारत सरकार किसी और रास्ते पर चल रही है। वह किसानों के खिलाफ तीन कृषि कानूनों को लेकर आई है। केंद्र सरकार किसानों की आय और भविष्य छीनना चाहती है और इसे दो-तीन बड़े उद्योगपतियों को देना चाहती है।'

छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल की सरकार की सराहना करते हुए गांधी ने कहा कि उन्हें खुशी है कि छत्तीसगढ़ एवं अन्य राज्यों में उनकी पार्टी की सरकार किसानों, मजदूरों, छोटे कारोबारियों, युवाओं तथा महिलाओं की मदद करने के मार्ग पर चल रही है। नोटबंदी और जीएसटी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए गांधी ने कहा, 'नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने नोटबंदी और जीएसटी लागू किया और आज आप देख सकते हैं कि भारत रोजगार पैदा करने में नाकाम हो गया है।' उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों की मदद की और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। कांग्रेस नेता ने कहा, 'हमने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पैसा लगाया और छत्तीसगढ़ (कोरोना वायरस संकट के दौरान) किसी परेशानी का सामना नहीं कर रहा है जिनका सामना अन्य राज्य कर रहे हैं।'

इस मौके पर, मुख्यमंत्री बघेल ने (खरीफ और रबी फसल 2019-20 के लिए) राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी और अंतिम किस्त के तौर पर 18.43 लाख किसानों के खातों में 1,104.27 करोड़ रुपये स्थानांतरित किए। इसके अलावा, उन्होंने गोधन न्याय योजना के तहत पशुपालकों के खातों में 7.55 करोड़ रुपये स्थानांतरित किए। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत चार किस्तों में किसानों को 5,627.89 करोड़ रुपये दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि गोधन न्याय योजना के तहत राज्य सरकार वर्मी कम्पोस्ट बनाने के लिए पशु पालकों से दो रुपये प्रति किलोग्राम की दर से गाय का गोबर खरीद रही है।

राजस्थान के 8 शहरों में नाइट कर्फ्यू, बाहर से आने वालों के लिए कोरोना टेस्ट जरूरी वरना 15 दिन क्वारनटीन

जयपुर। (एजेंसी)।

देश में बढ़ते कोरोनावायरस के मामलों को लेकर राज्य सरकारों ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। राजस्थान में भी कोरोना के नए मामलों में वृद्धि देखी गई है। इन सबके बीच राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बड़ा फैसला लिया है। गहलोत ने राजस्थान के 8 शहरों में नाइट कर्फ्यू लगवाने का फैसला लिया है। राजस्थान के सभी निकायों में 22 मार्च से रात 10ः00 बजे से बाजार बंद रहेंगे। अजमेर, भीलवाड़ा, जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, सागवाड़ा और कुशलगढ़ में रात 11ः00 बजे से 5ः00 बजे तक नाइट कर्फ्यू रहेगा। इसके अलावा राजस्थान सरकार ने बाहर से आना वालों के लिए आरटी पीसीआर टेस्ट अनिवार्य किया है।

25 मार्च से राजस्थान के बाहर आने वाले यात्रियों के लिए 72 घंटे के बीच टेस्ट अनिवार्य होगा अन्यथा उन्हें 15 दिन के लिए क्वारनटीन रहना होगा। इसके लिए जिला कलेक्टर को क्वारनटीन सेंटर की व्यवस्था करने के भी निर्देश दे दिए गए हैं। हालांकि नाइट कर चुके बाध्यता से उन फैक्ट्रियों को बाहर रखा गया है जिनमें उत्पादन हो रहा है और नाइट शिफ्ट की व्यवस्था है। साथ ही साथ आईटी कंपनियां, रेस्टोरेंट्स, केमिस्ट शॉप, आपातकालीन सेवाओं, विवाह संबंधी समारोह, चिकित्सा संस्थान, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट आने जाने वाले यात्री, मॉल, को नाइट कर्फ्यू से बाहर रखा गया है।

पन्ना प्रमुख भाजपा की ताकत हैं, उन्हें दिलों को जीतने के लिए तैनात किया जाए : राजनाथ

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पार्टी की नगर इकाई से कहा कि पन्ना प्रमुख पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं और उन्हें पूरी दिल्ली में तैनात किया जाए ताकि वे राष्ट्रीय राजधानी में भगवा दल को जीत दिला सकें। भाजपा के चुनाव प्रबंधन तंत्र में अधिकतर मतदाताओं का सबसे पहले संपर्क पन्ना प्रमुखों से होता है। दिल्ली भाजपा की कार्यकारिणी समिति की बैठक का उद्घाटन करते हुए सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा शुरु की गई योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए पन्ना प्रमुखों को मदद करनी चाहिए।

सिंह ने दिल्ली के भाजपा नेताओं से कहा कि मोदी सरकार का सुशासन और विकास में अच्छा ट्रैक रिकॉर्ड है... 'हमने जो वादे किए उसे हमेशा पूरा किया।' उन्होंने कहा, 'पन्ना प्रमुखों को दिल्ली में तैनात किया जाना चाहिए। मेरे खयाल में यह सबसे अहम पद है और पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है.... मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि वह यहां भाजपा को जीत दिला सकते हैं।'

सिंह ने कहा कि पन्ना प्रमुख पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष से ज्यादा अहम हैं और उनका सम्मान होना चाहिए। हाल में दिल्ली में नगर निगम की पांच सीटों के लिए हुए उपचुनाव में चार पर आम आदमी पार्टी ने और एक सीट कांग्रेस ने जीती। दिल्ली की तीनों निगमों के 2022 में होने वाले चुनाव से पहले इन उपचुनावों को 'सेमी-फाइनल' के तौर पर देखा जा रहा था। दिल्ली में 272 वार्ड हैं।

एसयूवी-वाजे मामले में सच पता लगाने में केंद्र को मदद करनी चाहिए : राज ठाकरे

मुंबई। (एजेंसी)।

मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने पिछले महीने यहां उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के पास मिली विस्फोटकों से भरी कार के पीछे की सच्चाई का पता लगाने के लिए रविवार को केंद्र से हस्तक्षेप करने के लिए कहा। ठाकरे ने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सरकार इस मामले में कई बुनियादी तथ्यों के बारे में बताने में असमर्थ रही है। उन्होंने कहा, ''विस्फोटकों का मामला केवल परमबीर सिंह (पूर्व मुंबई पुलिस आयुक्त) और सचिन वाजे (मुंबई पुलिस का निलंबित अधिकारी) का ही नहीं है। पुलिस का विस्फोटकों को रखना या ऐसा करने के लिए कहा जाना छोटी बात नहीं है।''

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख ने कहा कि केंद्र को मामले में सच का पता लगाने में मदद करनी चाहिए। उन बुनियादी सवालों का जवाब मिलना चाहिए कि विस्फोटकों से भरी कार किसने खड़ी की और किसके निर्देशों पर यह किया गया। उन्होंने कहा, ''मूल मुद्दा भूलना नहीं चाहिए, वरना यह मामला भी ऐसा ही हो जाएगा जैसा कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत का मामला।'' ठाकरे ने कहा कि इसकी गुंजाइश न के बराबर है कि वाजे बिना किसी के कहे अंबानी के घर के पास विस्फोटकों से भरा वाहन खड़ा कर दें। उन्होंने पूछा कि राज्य सरकार ने अभी तक यह स्पष्ट क्यों नहीं किया है कि परमबीर सिंह को क्यों हटाया गया। उन्होंने पूछा, ''क्या इसके पीछे की वजह यह है कि उनका संबंध वाहन को खड़ा करने में है? और अगर सिंह इसमें शामिल हैं तो राज्य सरकार ने उनका तबादला करने के बजाय उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की?''

मनसे नेता ने कहा कि मुकेश अंबानी और उद्धव ठाकरे के बीच बेहद अच्छे संबंध हैं। ठाकरे ने कार में मिले धमकी भरे पत्र को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा, ''क्या अंबानी से पैसा वसूलना इतना आसान है?'' उन्होंने गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ लगे आरोपों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए उनका इस्तीफा मांगा। इस बीच देशमुख के खिलाफ आरोपों पर पुणे में एक प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए प्रदेश भाजपा प्रमुख चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि सरकार के पास सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक आधार नहीं बचा है।

नरेश टिकैत की अपील, किसान एक हो जाएं नहीं तो हो जाएंगे बर्बाद

शाहजहांपुर (उप्र)। (एजेंसी)।

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के अध्यक्ष नरेश टिकैत ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर निशाना साधते हुए शनिवार को दावा किया, ''भाजपा सरकार ने दिल्ली में खुद हिंसा कराई और बदनाम किसानों को कर दिया। लाल किले पर झंडा फहराने वालों के फोटो भाजपा नेताओं के साथ में होना इस बात का प्रमाण है।'' शाहजहांपुर के पुवायां में संयुक्त किसान मोर्चा की महापंचायत को संबोधित करते हुए शनिवार को नरेश टिकैत ने कहा, भाजपा की सरकार किसानों की सबसे बड़ी दुश्मन है और अभी भी मौका है कि सभी किसान एक हो जाएं, नहीं तो किसान बर्बादी के कगार पर पहुंच जाएंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि 26 जनवरी को दिल्ली में जो हुआ वो सरकार की योजना थी और आरोपी भी सरकार के ही लोग थे। टिकैत ने कहा, किसानों को आतंकवादी खालिस्तानी, टुकड़े-टुकड़े गैंग तथा परजीवी तक कहा गया है, परंतु हम सरकार विरोधी नहीं हैं, हम सरकार की नीतियों के विरोधी हैंद्य उन्होंने कहा कि किसान बहकावे में बिल्कुल भी ना आएं कियह आंदोलन बीच में ही समाप्त हो जाएगा। भाकियू अध्यक्ष ने जोर देकर कहा, हम किसानों के साथ धोखा नहीं होने देंगे जो भी वार्ता होगी संयुक्त किसान मोर्चा ही करेगा, इसलिए किसान के हर परिवार से एक व्यक्ति गाजीपुर बॉर्डर पर जाने को तैयार रहे।

देश के 83 प्रतिशत नए कोविड-19 मामले पांच राज्यों से : सरकार

मुंबई। (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। भारत में रविवार को कोविड-19 के इस साल के अब तक के सर्वाधिक दैनिक नए मामले आए हैं, जिसको लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश भर में आए कुल नए कोविड-19 मामलों में से 83.14 प्रतिशत मामले महाराष्ट्र, केरल, पंजाब, कर्नाटक, गुजरात और मध्य प्रदेश से हैं। महाराष्ट्र में सबसे अधिक 27,126 नए मामले आए हैं। इसके बाद पंजाब में 2,578 जबकि केरल में 2,078 नए मामले सामने आए। कर्नाटक, गुजरात और मध्य प्रदेश में एक दिन में संक्रमण के क्रमशः 1,798, 1,565 और 1,308 नए मामले आए। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस के 43,846 नए मामले आए, जो इस साल अब तक की सबसे बड़ी दैनिक वृद्धि है, जिससे देश में कोविड-19 के कुल मामले बढ़कर 1,15,99,130 ??तक पहुंच गए। मंत्रालय ने कहा कि इसके अलावा, देश भर में 24 घंटे में 197 मौतें हुईं, जिनमें से 86.8 प्रतिशत मौतें छह राज्यों में हुई हैं।

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 92 लोगों की मौत हुई। पंजाब में 38 और केरल में 15 लोगों की मौत हुईं। दिल्ली में शनिवार को इस साल पहली बार कोरोना वायरस के 800 से अधिक मामले सामने आए, जबकि दो और लोगों ने संक्रमण के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के अनुसार, कोरोना वायरस बीमारी (कोविड-19) के उपचाराधीन मरीजों की संख्या एक दिन पहले 3,165 थी जो अगले दिन बढ़कर 3,409 हो गई। संक्रमण दर दो महीने के बाद एक प्रतिशत के आँकड़े को पार कर गई। मंत्रालय के अनुसार, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पंजाब, मध्य प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, गुजरात और हरियाणा में हर दिन नए मामले बढ़ रहे हैं। भारत में अब उपचाराधीन मरीजों की संख्या 3,09,087 है, जो कुल मामलों का 2.66 प्रतिशत है।बीते 24 घंटे की अवधि में कुल उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 20,693 की वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार, मामलों में वृद्धि का सबसे बड़ा कारण यह है कि लोगों को लगता है कि महामारी खत्म हो गई है और वे कोविड- मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं। एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया ने कहा, मामलों में वृद्धि के कई कारण हैं, लेकिन मुख्य कारण यह है कि लोगों के रवैये में बदलाव आया है और उन्हें लगता है कि कोरोना वायरस खत्म हो गया है।

लोगों को अभी भी कुछ और समय के लिए गैर जरूरी यात्रा से बचना चाहिए। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ वी के पॉल ने इस वायरस से मुक्त रहने के लिए कहा कि कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन, नियंत्रण रणनीति, स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे के दृष्टिकोण से तत्परता के साथ-साथ टीकाकरण महामारी से लड़ने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने कहा कि टीकाकरण की गति में तेजी लाने पर भी जोर दिया गया है। भारत में रविवार तक ठीक हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 1,11,30,288 हो गई। सत्रह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 24 घंटे की अवधि में कोविड-19 से किसी मौत की सूचना नहीं है। ये राज्य हैं- राजस्थान, असम, गोवा, उत्तराखंड, ओडिशा, झारखंड, लक्षद्वीप, सिक्किम, पुडुचेरी, दमन एवं दीव और दादरा एवं नागर हवेली, नगालैंड, त्रिपुरा, लद्दाख, मणिपुर, मिजोरम, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह और अरुणाचल प्रदेश। इसके अलावा, रविवार की सुबह सात बजे तक की रिपोर्ट के अनुसार, देश में 7,25,138 सत्रों में टीके की 4.4 करोड़ (4,46,03,841) खुराक लगाई जा चुकी हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)